04 - सत्य बनाम कृत्रिमता : एआई युग की सबसे बड़ी चुनौती

05 - पंचशील, दलाई लामा और सीमा: इतिहास और वर्तमान विमर्श

06 - 'एआई मानव सभ्यता के लिए वरदान और खतरा दोनों है...'

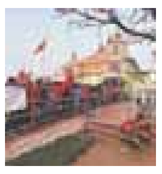
07 - शिवालयों में उमड़ा शिवभक्तों का भारी जनसमूह

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 18 फरवरी, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 138, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बंगाल: 'दुर्गा आंगन', 'बाबरी मस्जिद' और 'घुसपैठिये' की राजनीति

शैलेश

पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'दुर्गा आंगन', बाबरी मस्जिद और 'घुसपैठिये' जैसे मुद्दे फिर सुर्खियों में। क्या यह चुनावी रणनीति है या सामाजिक ध्रुवीकरण की नई जमीन? पढ़ें शैलेश का विश्लेषण।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले धर्म ध्वजा फहराने की कवायद तेज हो गयी है। आरएसएस के सौ साल पूरा होने के अवसर पर राज्य भर में होने वाले पर हिंदू सम्मेलन को बीजेपी हिंदू मतदाताओं को एक जुट करने के विशेष अवसर और चुनाव अभियान की तरह इस्तेमाल कर रही है। दूसरी तरफ़ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंदुत्व के मोर्चा को बीजेपी के लिए खुला नहीं छोड़ा है। पिछले दिसंबर में कोलकाता के न्यू टाउन में विशाल 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास करके उन्होंने हिंदू मतदाताओं को बीजेपी के खेमे में खिसकने से रोकने की जो बड़ी पहल शुरू की थी उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने के अभियान पर लगातार आगे बढ़ा रही हैं।

तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूँ कबीर ने मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' का शिलान्यास करके ममता के सामने एक नयी चुनौती ज़रूर खड़ी कर दी है और बीजेपी इसे भी भुनाने की कोशिश में जुट गयी है। बंगाल की राजनीति में इस समय कई सवाल गूंज रहे हैं। क्या हिंदू सम्मेलन और हुमायूं कबीर के बहाने बीजेपी राज्य के 70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं को ममता के ख़िलाफ़ खड़ा कर पाएगी? क्या हुमायूं कबीर और अन्य मुस्लिम पार्टियाँ मुस्लिम मतदाताओं को बाँटने में सफल हो पाएंगी? या फिर अल्पसंख्यकों की रक्षा और दुर्गा आंगन का मशाल लेकर ममता एक बार फिर से जीत का झंडा फहराने में सफल होंगी?

ममता इस समय कई मोर्चों पर जूझ रही हैं। एसआईआर यानी विशेष मतदाता सूची सर्वेक्षण में मुसलमानों और अत्यंत ग़रीब लोगों का नाम कटने के मुद्दे पर उनके कार्यकर्ता बूथ स्तर पर लड़ रहे हैं और वो खुद सुप्रीम कोर्ट तक हाजिरी लगा चुकी हैं।

बीजेपी का अभियान चार मुद्दों पर केंद्रित है। 'बंगाल में हिंदू ख़तरे में है', बीजेपी का मुख्य अभियान इसी नारे पर केंद्रित है। बंगाली हिंदुओं को बताया जा रहा है कि मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है। बांग्लादेश की सीमा से लगे कुछ जिलों, जहां मुस्लिम आबादी 50 फ़ीसदी या ज़्यादा है, का उदाहरण देकर बताया जा रहा है कि बंगाली हिंदू जल्दी ही राज्य में अल्पसंख्यक हो जायेंगे। बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ का शोर मचाकर हिंदुओं की चिंता बढ़ाने की कोशिश हो रही है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर से बलात्कार का उदाहरण देकर बताया जा रहा है कि बंगाल में महिलाएं असुरक्षित हैं। चौथा मुद्दा भ्रष्टाचार का है। शिक्षक भर्ती घोटाला जैसे मामले भ्रष्टाचार के उदाहरण के रूप में पेश किए जा रहे हैं। ममता सीबीआई और ईडी जैसी केंद्र सरकार की एजेंसियों से सीधे टक्कर ले रही हैं।

चुनाव में हिंदू-मुस्लिम मुद्दा बन जाये तो बीजेपी फ़ायदे में रह सकती है। लेकिन ममता आसानी से ऐसा होने देने के मूड में नहीं हैं। लेकिन उनके सामने मुस्लिम वोटों का बँटवारा एक बड़ी चुनौती है। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने की पहल से मुस्लिम मतदाताओं के बीच हुमायूं कबीर की लोकप्रियता बढ़ी है। वैसे, हुमायूं मुसलमानों के कोई प्रतिष्ठित नेता नहीं रहे हैं। पिछला विधानसभा चुनाव उन्होंने तृणमूल के टिकट पर जीता था। 2019 में वो बीजेपी के टिकट पर लोक सभा चुनाव लड़ कर तीसरे नंबर पर रहे थे। टीएमसी से निकाले जाने के बाद उन्होंने अलग जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) बना ली है और 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। एक अन्य मुस्लिम नेता नौशाद सिद्दीकी अपनी पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) को वाम दलों से समझौता करके चुनाव मैदान में उतारने की कोशिश में हैं।

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम इस बार सौ से ज़्यादा सीटों पर दांव खेलने की तैयारी में हैं। इसके अलावे भी पाँच-छह मुस्लिम नेता छोटी छोटी पार्टियां बनाकर चुनाव मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। राज्य में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या करीब 30 प्रतिशत है। पिछले चुनावों में ममता को मुस्लिम मतदाताओं का एकतरफा समर्थन मिला था। इसके बूते पर ही वो विधानसभा की कुल 294 में से 223 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। बीजेपी की 65 सीटों पर जीत भी एक बड़ी बात थी क्योंकि बंगाल में बीजेपी कभी भी मज़बूत पार्टी नहीं थी। 2021 में सीपीएम और कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल पाया था।

बीजेपीको 2014 के लोकसभा चुनाव में 2, 2019 में 18 और 2024 में 12 सीटें मिली थीं। 2021 के विधानसभा चुनाव में टी एम सी को करीब 48% और बीजेपी को 38% वोट मिला था। जाहिर है कि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होने पर टीएमसी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसलिए ममता अपना हिंदू कार्ड बहुत सावधानी से खेल रही हैं।

कोलकाता की सांस्कृतिक पहचान, चौरंगी से वीआईपी रोड होकर एयर पोर्ट की तरफ़ जाने वाले रास्ते में कई जगहों पर मेट्रो रेल का अधूरा काम दिखाई देता है। बंगाल में अधूरे विकास की कहानी लगभग हर जिले में दिखाई देती है। टाटा के नैनो कार प्रोजेक्ट को राज्य से बाहर खदेड़ कर 2011 में सत्ता में आयी ममता बनर्जी 15 सालों में राज्य के विकास को पटरी पर नहीं ला पाई हैं। रोजगार के लिए पलायन करने वाले राज्यों में बंगाल शीर्ष पर है। कई राज्यों में उन्हें बांग्लादेशी बताकर लगातार अपमानित और उत्पीड़ित किया जाता है।

राज्य में रोजगार बढ़ नहीं रहा है, क्योंकि विकास के लिए राज्य के पास पैसा नहीं है। ममता इसके लिए भी केंद्र को दोषी ठहराती हैं। उनका आरोप है कि केंद्र उन्हें विकास के लिए पर्याप्त पैसा नहीं दे रहा है। पिछले साल 15 सालों में बंगाल की राजनीति में बहुत कुछ बदल गया है। करीब तीस वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद सीपीएम और वामपंथी दल इस तरह हाशिए पर पहुँचे कि 2021 के चुनावों में उनका खाता भी नहीं खुला।

वाम दलों से पहले क़रीब 25 सालों तक सत्ता संभालने वाली कांग्रेस भी सिर्फ़ नाम के लिए बची है। बीजेपी का उदय ममता के सत्ता में आने के बाद ही हुआ और सीपीएम और कांग्रेस को पीछे धकेल कर राज्य में दूसरी बड़ी पार्टी बन गयी। बीजेपी इस बार बंगाल में राम का नाम नहीं ले रही है। 2021 के चुनाव में ममता ने राम के मुक़ाबले में दुर्गा शक्ति को खड़ा कर दिया था। इस बार बीजेपी का मुद्दा है बांग्लादेशी घुसपैठिया और हिंदू के अल्पसंख्यक हो जाने का ख़तरा। ममता, दुर्गा का मशाल थाम कर भी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, बंगाली अस्मिता और स्वाभिमान के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश में है।

(सत्य हिंदी पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

तीव्र गतिशील अर्थव्यवस्था वाला राज्य बना एमपी : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था समावेशी विकास के साथ अत्यंत गतिशील अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तीय अनुशासन, पारदर्शी प्रशासन और दूरदर्शी नीतियों के साथ

प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 11.14 प्रतिशत वृद्धि

मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। मध्यप्रदेश विधान सभा में मंगलवार को प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध रूप से संतुलित और परिणामोन्मुखी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में मध्यप्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) प्रचलित मूल्यों पर रू. 16,69,750 करोड़ अनुमानित है, जो वित्तीय वर्ष

2024-25 (त्वरित अनुमान) के रू. 15,02,428 करोड़ की तुलना में 11.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में मध्यप्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद स्थिर (2011-12) मूल्यों पर रू. 7,81,911 करोड़ अनुमानित है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 (त्वरित अनुमान) के रू. 7,23,724 करोड़ की तुलना में 8.04 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2011-12 से वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवधि के दौरान मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति शुद्ध आय प्रचलित मूल्यों पर रू. 38,497 से बढ़कर रू. 1,69,050 हो गई तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर रू. 38,497 से बढ़कर रू. 76,971 हो गई, जो वास्तविक आय स्तर में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 (अग्रिम अनुमान) में सकल राज्य मूल्य वर्धन की क्षेत्रीय संरचना प्रचलित मूल्यों पर इस प्रकार रही–प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 43.09 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र का 19.79 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र का 37.12 प्रतिशत। स्थिर (2011-12) मूल्यों पर इनकी हिस्सेदारी क्रमशः प्राथमिक क्षेत्र 33.54 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र 26.18 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र 40.28 प्रतिशत रही। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राथमिक क्षेत्र की GSVA में हिस्सेदारी प्रचलित मूल्यों पर 43.09 प्रतिशत तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 33.54 प्रतिशत रही।

भारत एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलीकॉप्टर बनाएगा

● प्रधानमंत्री मोदी बोले-फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया ● मैक्रों बोले-भारत पर भरोसा इसलिए टेक्नोलॉजी शेयर करते हैं

मुंबई (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मंगलवार को भारत पहुंचे हैं। इस दौरान मुंबई में उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मिलकर टाटा-एयरबस की हेलीकॉप्टरों असेंबली लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन किया। मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर भारत में ऐसे हेलीकॉप्टर का निर्माण करेंगे, जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भरेगा। मोदी ने फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया और कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' लेवल तक अपग्रेड करने का फैसला किया है। 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का मतलब है कि दोनों देश सिर्फ व्यापार या हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री इलाकों की सुरक्षा और बड़े वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करेंगे।

विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश

पानी, कफ-सिरप, डॉग बाइट पर हुआ हंगामा

कांग्रेस बोली- मोदियाबिंद की कोई दवा नहीं, बीजेपी बोली-समय पर दवा ली होती तो वे भाजपा में होते

● वित्तमंत्री देवड़ा ने चालू वित्तीय वर्ष का तीसरा अनुपूरक बजट व आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने चालू वित्तीय वर्ष का तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया। यह बजट 19 हजार 287 करोड़ 32 लाख रुपए का है, जिस पर 23 फरवरी को चर्चा होगी। इसके साथ ही सदन में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश किया गया। वहीं कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का संकल्प पेश किया। उन्होंने कहा कि हर धर्म का सम्मान होना चाहिए। गाय के अवशेषों के व्यापार पर रोक लगनी चाहिए। इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मस्जिदों में मुल्ला-मौलवियों से कसम करवा दी जाए तो गाय कटनी बंद हो जाएगी।

इंदौर में दूषित पानी से मौतों पर कांग्रेस का प्रदर्शन- सत्र से पहले कांग्रेस विधायकों ने इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार गंदे पानी की बोतल लेकर विधानसभा पहुंचे। उज्जैन के तराना से विधायक महेश परमार ने सरकार और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया।

'मोदियाबिंद' बनाम 'मोतियाबिंद' पर मजाकिया बहस– कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि मोदियाबिंद की कोई दवा नहीं है। इस पर रामेश्वर शर्मा ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि समय पर दवा ली होती तो वे बीजेपी में होते। बाद में स्पष्ट हुआ कि बात 'मोदियाबिंद' की थी, जिस पर सभापति ने टिप्पणी विलोपित करने के निर्देश दिए।

भाजपा विधायक सीता शरण शर्मा ने कहा कि बीजेपी सरकार की योजनाओं के कारण 140 करोड़ जनता को 'मोदियाबिंद' होना स्वाभाविक है। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी 206 से 6 सीटों पर सिमट सकती है।

● **अब तक किसी जिम्मेदार पर कार्रवाई नहीं हुई–** कांग्रेस विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत का मामला उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक किसी जिम्मेदार पर कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और सरकारी योजनाओं की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए। कांग्रेस विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण पूरा पढ़ा जाना चाहिए था।

● **सदन में कई मुद्दों पर हुई पक्ष–विपक्ष में तीखी बहस–** इसके साथ ही सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधायकों के बीच कई मुद्दों पर तीखी बहस देखने को मिली।

● **आवारा कुत्तों का मुद्दा उठा, सरकार बोली– हालात काबू में–** ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने भोपाल में आवारा कुत्तों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा– कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात ये हैं कि प्रशासन और नगर निगम द्वारा नसबंदी–वैक्सीनेशन के नाम पर करीब 2 करोड़ रुपए खर्च किए जाने के बावजूद न तो आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण हो पा रहा है और न ही काटने की घटनाओं में कमी आ रही है। इस पर मंत्री विजयवर्गीय ने कहा–नगर निगम भोपाल द्वारा डॉग बाइट की हर घटना को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्रवाई की जाती है।

शरद की सुबह

मेरा मौन
शब्दों से ज्यादा
मुखर है

मेरे मौन में
मेरा दुख बोलता है
मेरे मौन में
मेरा सुख बोलता है

मेरा मौन
मुझसे बोलता है
मेरा मौन
तुमसे भी बोलता है

मेरा मौन
पेड़ों से बात करता है
मेरा मौन
पहाड़ से भी बात करता है

मेरे मौन में
असंख्य ध्वनियां हैं
मेरे मौन में
असंख्य वाणियां हैं

मेरा मौन
लघु नहीं,विराट है
मेरा मौन
महदाकार है।

-दुर्गाप्रसाद झाला

पांच सालों में हाईटेक होगी पुलिस

● एआई रोबोट करेगा क्राइम पर कंट्रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक नई स्टडी के अनुसार, पुलिस डिपार्टमेंट अगले दो साल में अपने बेसिक पेट्रोलिंग कामों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कैपेबिलिटी वाले पुलिस रोबोट का इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे। साइंटिस्ट का मानना है कि एडवांस्ड रोबोटिक सिस्टम पुलिस ऑफीसर को क्रिमिनल एक्टिविटी को रोकने, सस्पेक्ट को ट्रैक करने और हाई-रिस्क मिशन करने में मदद करेंगे। 1987 की साइंस फिक्शन मूवी रोबोकॉप ने लोगों को एआई पुलिसिंग टेक्नोलॉजी और ह्यूमनॉइड रोबोट डेवलपमेंट से इंट्रोड्यूस कराया, जिससे लॉ एनफोर्समेंट के भविष्य को लेकर एक्साइटमेंट और चिंता दोनों पैदा हुई। यूनिवर्सिटी ऑफ डेलावेयर के प्रोफेसर इवान सन ने एरिज़ोना में अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रोबोटिक ऑफीसर जल्द ही बम डिस्पोजल रोल से आगे बढ़ सकते हैं।

● **एआई फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल–** यूनाइटेड किंगडम में ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस पब्लिक एरिया में घुसने वाले संदिग्धों की पहचान करने के लिए एआई फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करती है। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि रोबोटिक सिस्टम 200 मीटर से ज्यादा दूरी से खतरों का अंदाजा लगाने और हथियारों की पहचान करने की क्षमता डेवलप करेंगे, साथ ही तुरंत फैसले भी लेंगे। पुलिस ऑर्गनाइजेशन द्वारा एआई को ज्यादा अपनाने से इंसानी अधिकारियों की पूरी तरह से जगह नहीं लेगी क्योंकि रोबोट पुलिस के काम में मदद करेंगे।

'हाई' आदेश, बंगाल सरकार जवानों से स्कूल खाली कराए

सीआईएसएफ को 18 कमरे मिले थे, आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप के बाद तैनात हुए थे

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाइकोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में सुरक्षा में लगे सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स जवानों को चीनी भाषा स्कूल में रहने के लिए दी गई जगह खाली कराई जाए। शहर के चाइना टाउन स्थित पेई मेई चाइनीज स्कूल में जवानों को रहने के लिए 18 कमरे दिए गए थे। सीआईएसएफ जवान यहां सितंबर 2024 से रहे हैं। 9 अगस्त 2024 को एक ऑन-ड्यूटी पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी के रेप और हत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जवानों को तैनात किया गया था। कोर्ट से नियुक्त स्पेशल ऑफीसर ने जस्टिस कृष्ण राव को बताया कि स्कूल के कुल 18 कमरों में से आठ कमरे अधिकारियों को सौंप दिए गए थे।

● **क्लास शुरू कराने के लिए स्कूल ने दी थी अर्जी–** कोलकाता के पेई मेई चीनी भाषा स्कूल के अधिकारियों ने हाइकोर्ट में अर्जी दी थी। इसमें चाइना टाउन में उनकी प्रॉपर्टी में रह रहे सीआईएसएफ जवानों को क्लास फिर से शुरू करने के लिए जगह खाली करने का आदेश दिए जाने की मांग की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि चीनी न्यू ईयर पास आ रहा है और उसके लिए भी स्कूल की जगह खाली करानी होगी। भारत सरकार की तरफ से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि 18 कमरों में रहे 130 सीआईएसएफ जवानों ने आठ कमरे खाली कर दिए हैं। उन्हें 10 कमरों में ठहराया गया है, जिससे उन्हें मुश्किल हो रही है और कुछ बरामदे में सो रहे हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 18 फरवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हथियार की तरह हो रहा दुनिया में चीजों का इस्तेमाल

- ग्लोबल इकनॉमिक सम्मेलन में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को मुंबई स्थित ग्लोबल इकोनॉमिक कोऑपरेशन कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत अब दुनिया के साथ मजबूती से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए व्यापार समझौतों से यह साफ दिखता है। अमेरिका के साथ भी एक समझौता हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया में चीजों का इस्तेमाल हथियार की तरह हो रहा है। उत्पादन, पैसा और बाजार की ताकत का गलत इस्तेमाल हो रहा है। देशों ने निर्यात पर भी सख्ती कर दी है। उन्होंने कहा, भारत अब मजबूत स्थिति में है और दुनिया के देशों से ज्यादा जुड़ रहा है। हाल ही में हुए व्यापार समझौते इसका सबूत हैं। जयशंकर ने यह भी बताया कि दुनिया एक मुश्किल और अनिश्चित दौर में पहुंच गई है।

समर्थकों से दोस्ती: संघ का विस्तार या फिर कोई संकेत

- उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सक्रिय हो रहा आरएसएस
- गोरखपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान का मतलब निकाल रहा विपक्ष

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 से पहले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सक्रिय होता दिख रहा है। संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसके विस्तार की योजनाओं को जमीन पर उतारने की तैयारी है।

इस क्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी ऐक्टिव हैं। संघ अपने विस्तार के साथ-साथ प्रदेश की राजनीति को अलग स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इस क्रम में आरएसएस प्रमुख ने साफ किया है कि संघ की नजर सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और समर्थकों पर है। संदेश स्पष्ट है कि सभी संघ कार्यकर्ता सभी दलों के लोगों के साथ बिना किसी भेदभाव के संपर्क में रहें। उन्हें संघ में जोड़ने की कोशिश करें। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस प्रकार के बयान से साफ कर दिया है कि संघ का विस्तार दलीय सीमाओं से पार तक होगा। वृहद हिंदू एकता की बात संघ की ओर से लगातार की जाती रही है।

समर्थकों को संघ से जोड़ने का निरंतर प्रयास करते रहना है

गोरखपुर के योगीराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में बैठक कर संगठन के विस्तार के लिए स्वयंसेवकों के साथ मीटिंग की। उन्होंने कहा कि हमें सभी राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संघ से जोड़ने का निरंतर प्रयास करते रहना है। राजनीतिक पार्टी के आधार पर विभाजन करने की जगह समन्वय के साथ सबको साथ लेकर चलना है। संघ प्रमुख ने इसके लिए किसी भी पार्टी के फ्रंटलाइन नेताओं की जगह उनके समर्थकों से दोस्ती बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसे समर्थकों को संघ की खूबियां बताएं। उन्हें अपना बनाने का प्रयास करें। संघ प्रमुख ने जातीय मुद्दों से ऊपर उठने की भी सलाह दी। स्वयं सेवकों को सवर्ण-अवर्ण के फेर में न पड़ने को कहा।

- **संघ चीफ ने स्थायी जुड़ाव पर दिया जोर**– संघ प्रमुख की ओर से शताब्दी वर्ष में चल रहे सदस्यता अभियान पर चर्चा की। हिंदू सम्मेलन और गृह संपर्क अभियान का फीडबैक लिया। अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा कराने का आह्वान किया। मोहन भागवत ने कहा कि हमें सदस्यता की औपचारिकता से बचना होगा। लोग हमारे अभियान से स्वेच्छा से जुड़ें। इसकी कोशिश करें। उन्होंने कहा कि ऐसे ही जुड़ाव स्थायी होते हैं। लोगों को जोड़ने के बाद उन्हें संघ की शैली में ढालने पर जोर दिया। संघ प्रमुख ने मानव जन्म के बाद बिना किसी संबंध का होता है। इसके बाद शिशु को परिवार के साथ जुड़ने में समय लगता है। इसके बाद उनमें रिश्तों की समझ विकसित होती है। परिवार-समाज में रहने का सलीका सीखते हैं। अपनेपन से बना कुटुंब केवल भारत में है।
- **मतांतरण से किया सचेत**– आरएसएस चीफ ने धर्म परिवर्तन को एक गंभीर समस्या करार दिया। उन्होंने कहा कि हमें मतांतरण कराने वालों को दोषी ठहराने और ऐसे प्रयास रोकने की जगह सोच की दिशा बदलनी होगी। हमें मतांतरित होने वालों से संपर्क करना होगा। उनकी समस्या सुननी होगी। उसे दूर कर संगठन का हिस्सा बनाना होगा। मतांतरण का कारण उन्होंने इस पर ध्यान न दिए जाने को बताया। उन्हाने कहा कि हमने ध्यान नहीं तो मतांतरण कराने वालों को पूरा अवसर मिला।
- **बड़े वर्ग को साधने की कोशिश**– संघ प्रमुख के बयानों ने एक बड़ा संदेश दिया है। प्रदेश में जिस प्रकार से समाज को अलग-अलग भागों में बांटकर वोट की राजनीति की जा रही है। उसकी जगह समाज को एकजुट करने का संदेश देते वे दिखे हैं। यूपी चुनाव 2027 से पहले उनकी यह रणनीति का अलग प्रभाव दिख सकता है। संघ की ओर से लगातार समाज की एकजुटता पर जोर जारी है।

सोनिया ने 2014 में मुझे शपथ ग्रहण की तारीख तय करने को कहा था

- सीएम ने किया बड़ा दावा, बयान ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम कांग्रेस में बवाल मचा हुआ है। असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने इस्तीफा दे दिया। हालांकि कुछ घंटे बाद उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया, लेकिन अभी भी पार्टी में दरार खत्म नहीं हुई है। इस बीच मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक बड़ा बयान देकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। हिमंता ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि सोनिया गांधी ने उनसे 2014 में शपथ ग्रहण की तारीख तय करने को कहा था। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, जब 2014 में 58 विधायकों ने असम के मुख्यमंत्री के रूप में मेरा समर्थन किया था, तब सोनिया गांधी ने मुझसे शपथ ग्रहण की तारीख तय करने को कहा था। राहुल गांधी के हस्तक्षेप के कारण मैं असम का मुख्यमंत्री नहीं बन सका। भाजपा के मुख्यमंत्री के रूप में मुझे असम और सनातन धर्म दोनों की सेवा करने का अवसर मिला, जो कांग्रेस में संभव नहीं था।

'स्पिक मैके': डॉ. मन्नू यादव दल का विरहा गायन

भोपाल। लोक गायन शैली विरहा का प्रारंभ द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के विरह में पीड़ित गोपियों ने की थी। यह गायन शैली अपने में सांस्कृतिक विरासत और विविधता की प्राचीन परंपरा को सहेजे है, जिसमें समसामयिक, पारंपरिक, प्राचीन महाकाव्यों, रामायण, महाभारत और पौराणिक कथाओं का समावेश है। इसके गायन में जीवन के सभी संस्कार जैसे जन्म, विवाह और मृत्यु सभी गाए जाते है। विरहा के बारे में यह जानकारी श्रोताओं को गणेश हरनन्दन रामधारी अखाड़ा परंपरा के लोक गायक मन्नू यादव ने दी। डॉ.यादव का दल भारत के बाहर अमेरिका, मारीशश, फ़िजी, दुबई, भूटान आदि देशों में गायन कर चुका है।

डॉ. मन्नू यादव के छः सदस्यीय दल ने सेवन हिल्स स्कूल के न्यूमार्केट के मंजरी सभागृह के मंच पर विरहा लोक गायन शैली में अपनी प्रस्तुतियां दीं। गायन का शुभारंभ सरस्वती आराधना से किया। इसके बाद 'गुलजार मधुर राग में लालिमा, रसना गहन छंद में कंक ईहां काखाई गागागाई' पद प्रस्तुत किए। रामायण से लिए शबरी प्रसंग का सामूहिक गायन किया। फिर उन्होंने छायावादी रचना 'जीवन एक भूल है- गूलर का फूल है' और बसंत पर केंद्रित रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का समापन कन्या भ्रूणहत्या पर रचना के साथ किया। कार्यक्रम में झांझ पर संगत रामजनम यादव, मंजीरे पर बुधई संदल, करताल पर छागुर सिंह, हारमोनियम पर बृजेन्द्र कुमार और ढोलक पर सूरज कुमार ने की। स्पिकमैके के भोपाल चेप्टर की सचिव सुश्री रश्मि सारस्वत ने स्पिकमैके की गतिविधियों का परिचय दिया। सेवन हिल्स स्कूल की छात्राओं ने अतिथि कलाकारों का स्वागत और श्रीमती सौम्या दुबे ने मंच संचालन किया।

पाकिस्तान आर्मी के चेक पोस्ट को हमलावर ने उड़ाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को हुए एक बम धमाके में आर्मी के 11 जवानों की मौत हो गई है। यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में आर्मी चेक पोस्ट पर हुआ है। खुदकुश हमलावर ने विस्फोटक के भरी कार को चेक पोस्ट से टकराकर उड़ा दिया। इसकी चपेट में आकर यहां मौजूद 11 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। वहीं कई अन्य लोग इस हमले में घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया है कि 16 फरवरी को बाजौर जिले में सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के जॉइंट चेक पोस्ट पर हमला किया गया है।

चुनाव से पहले 'अपने' ही बढ़ा रहे कांग्रेस की टेंशन

- राहुल गांधी पर सवाल, कई राज्यों से तीखे आ रहे बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले कुछ महीनों में होने वाले 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी की मुसीबत उनके 'अपने' ही बढ़ा रहे हैं। इनमें से कुछ अब पार्टी में रहे नहीं और कुछ नेताओं को पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। एक दिन पहले असम और केरल राज्य की गूंज पार्टी के भीतर सुनाई पड़ी। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने अपनी उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया हालांकि बाद में उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया। वहीं दूसरी ओर केरल का जिक्र कर पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने राहुल गांधी समेत दूसरे नेताओं पर हमला बोला। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने मणिशंकर अय्यर के पिनराई विजयन फिर बनेंगे केरल के सीएम वाले बयान पर कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और उनकी कोई नाराजगी है तो उसे पार्टी को दूर करना चाहिए। सिर्फ ये दो नेता ही नहीं पार्टी के कुछ और नेताओं ने भी कुछ समय पहले राहुल गांधी पर सीधे निशाना साधा।

मैं राहुलवादी नहीं... अय्यर ने ऐसे साधा निशाना

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने केरल सीएम को लेकर जो बयान दिया उसके बाद कांग्रेस की ओर से कहा गया कि वह कुछ वर्षों से पार्टी में नहीं हैं। हालांकि अय्यर यहीं नहीं रुकने वाले थे उन्होंने पवन खेड़ा, जयराम रमेश और शशि थरूर पर जमकर भड़ास निकाली। मणिशंकर अय्यर ने केसी वेणुगोपाल को राउडी और खुद को नेहरूवादी, गांधीवादी और राजीववादी बताया। मगर राहुलवादी होने से मना कर दिया। अय्यर ने तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य शशि थरूर को सिद्धांतहीन अवसरवादी करार दिया, जबकि केसी वेणुगोपाल को अक्खड़ बताया।

जम्मू-जुवेनाइल सेंटर से 2 पाकिस्तानी समेत 3 नाबालिग फरार

- पुलिसकर्मियों पर फायर किया, मामले में 6 अधिकारी सस्पेंड, एक नाबालिग की मां भी लापता

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन सेंटर से सोमवार शाम 2 पाकिस्तानी नागरिक समेत 3 नाबालिग फरार हुए। इस मामले में आज 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड किए गए। मामले की जांच जारी है। नाबालिगों के सेंटर से फरार होने की घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई थी। 22 सेकेंड के वीडियों में नजर आ रहा है कि शाम करीब 5.15 बजे दो नाबालिग झगड़ा कर रहे हैं। सेंटर के दो कर्मचारी पास ही खड़े उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं। तभी कैप पहना हुआ नाबालिग पीछे से आता है और कर्मचारी के सिर पर फायर कर देता है। फायर होते ही दोनों कर्मचारी पीछे हटते हैं। इसमें नाबालिग फिर से गन लोड करता है और दूसरा फायर करने की कोशिश करता है, लेकिन फायर नहीं होता। कैप पहना लड़का और सफेद जैकेट पहना लड़का कर्मचारियों पर हमला कर देते हैं। इसके बाद तीन नाबालिग सेंटर से भाग निकलते हैं। वहीं, जुवेनाइल सेंटर से फरार नाबालिग में एक की मां भी लापता हैं। पुलिस के मुताबिक महिला की भी तलाश की जा रही है।

- पंजाब सीएम को जहरीला केमिकल देने का दावा

भगवंत मान अस्पताल में भर्ती

खालिस्तानी आतंकियों ने बेअंत सिंह जैसा हाल करने की धमकी दी

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जान से मारने की धमकी दी गई है। खालिस्तान समर्थक संगठन, खालिस्तान नेशनल आर्मी ने प्रशासन को ईमेल भेजकर धमकी दी कि सीएम मान को भाई दिलावर सिंह के वारिसों ने पोलोनियम से संक्रमित किया है। अगर वे बच गए तो उनका पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह जैसा हाल करेंगे। सीएम मान मोहाली के फोर्टिस हॉस्पिटल में एडमिट हैं। खालिस्तान नेशनल आर्मी ने इस अस्पताल समेत 16 स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी दी।

ज्ञानज्योति स्कूल की डायरेक्टर अनीत बेदी ने धमकी की कॉपी उपलब्ध कराई है। मोहाली के एसपी सिटी दिलप्रीत सिंह ने ईमेल की पुष्टि की है। एसपी का कहना है कि धमकी भरा ईमेल आया है। हम सभी चीजों को वैरिफाई कर रहे हैं। मुख्यमंत्री फोर्टिस हॉस्पिटल में एडमिट हैं।

अस्पताल की अच्छी तरह से जांच की गई है। सब सेफ है। सीनियर्स के अगले आदेश तक फोर्स को हॉस्पिटल में तैनात रखा जाएगा। एसपी दिलप्रीत सिंह ने बताया कि मेल में ब्लास्ट का टाइम दोपहर 1.11 बजे दिया गया, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। सुबह साढ़े 7 बजे थ्रेट मेल मिलते ही फोर्टिस अस्पताल और स्कूलों की जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली लेकिन चांस नहीं लिया जा सकता।

रेडियोएक्टिव पदार्थ है पोलोनियम, एक हफ्ते में दूसरी धमकी

सीएम मान को जिस पोलोनियम केमिकल देने की बात सामने आई है, वह दुर्लभ रेडियोएक्टिव पदार्थ है। यह बहुत जहरीला होता है। हालांकि, सीएम को पोलोनियम से संक्रमित कब, कहां और कैसे किया गया, खालिस्तान नेशनल आर्मी की मेल में इसका कोई जिक्र नहीं है। सीएम मान रविवार को ब्लड प्रेशर बढ़ने पर मोहाली फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हुए थे। फिर सोमवार को डिस्चार्ज होकर मोगा में सरकार की नशा विरोधी रैली में हिस्सा लेने गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मोगा में सांस लेने में तकलीफ होने पर उन्हें सोमवार शाम करीब 5 बजे उन्हें फिर मोहाली फोर्टिस में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने उनकी सेहत को लेकर कोई बुलेटिन जारी नहीं किया। पंजाब में एक हफ्ते के अंदर खालिस्तान नेशनल आर्मी ने इस तरह की धमकी वाली ये दूसरी मेल भेजी है। इससे पहले 11 फरवरी को भी संगठन ने मेल भेजकर दावा किया था कि पंजाब सीएम को 13 फरवरी को मानव बम से उड़ाया जाएगा। उस मेल में भी कुछ स्कूलों को धमकी दी गई थी। खालिस्तान नेशनल आर्मी ने अपनी मेल में जिस दिलावर सिंह का जिक्र किया है, वह एक कॉन्स्टेबल था जिसने 31 अगस्त 1995 को पंजाब के तत्कालीन सीएम बेअंत सिंह को चंडीगढ़ सचिवालय में मानव बम से उड़ा दिया था। हंटर फार्ले के नाम से जीमेल के जरिए भेजे ई-मेल में पंजाब को खालिस्तान बताते हुए कहा गया है अपने बच्चे बचा लो और मोहाली के स्कूल बंद रखो। मेल में लिखा गया है कि यह खालिस्तान रेफरेंडम वालों को गैंगस्टर बताकर उनका एनकाउंटर लेने का बदला है। मेल के अंत में खालिस्तान नेशनल आर्मी का नाम लिखा है।

सत्तन जी की बेटी कांग्रेस में भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक और मध्य प्रदेश खाद्य एवं ग्रामोद्योग निगम के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण सत्तन की पुत्री कनुप्रिया ने आज भोपाल में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली।

उज्जैन में विक्रमोत्सव 2026: जटायुवधम् गौरवपूर्ण बलिदान का मार्मिक चित्रण

डॉ. जफर महमूद

उज्जैन में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत कालिदास अकादमी परिसर में रामायण का मार्मिक क्षण मंच पर जीवंत हो उठा। प्रसिद्ध नाट्य प्रस्तुति 'जटायूवधम्' का कुडियाट्टम शैली में प्रभावशाली मंचन हुआ। केरल के सुप्रसिद्ध कलाकार मार्गी मधु चाक्यार द्वारा प्रस्तुत इस शास्त्रीय रंगमंच ने अपनी पारंपरिक गरिमा, सशक्त भावाभिनय और सजीव मंच संयोजन से कला रसिकों को आकर्षित किया। कुडियाट्टम विश्व की सबसे पुरानी जीवित संस्कृत नाट्य परंपरा मानी जाती है, जिसे यूनेस्को की मान्यता भी प्राप्त है। केरल में विकसित यह कला एक हजार वर्षों से अधिक पुरानी है।प्रस्तुत नाटक संस्कृत नाट्यकार शक्तिभद्र की रचना आश्चर्य चूड़ामणि के चतुर्थ अंक पर आधारित था, जिसमें जटायु के गौरवपूर्ण बलिदान का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया गया है। भाव, भंगिमा और परंपरा के अद्भुत संगम से सजा 'जटायूवधम् नाटक कालिदास अकादमी के पंडित सूर्यनारायण व्यास कला संकुल में मंचित किया गया, जहां कला प्रेमियों की बड़ी संख्या उपस्थित रही। प्रस्तुति में कुडियाट्टम की शास्त्रीय बारीकियों और अभिनय की सूक्ष्मता ने वातावरण को आध्यात्मिक और भावनात्मक ऊंचाई प्रदान की। निर्देशक मार्गी मधु चाक्यार, पद्मश्री मुझिक्कुलम कोच्चुकूटन चाक्यार के पुत्र और अम्मानूर माधव चाक्यार के भतीजे हैं। उन्हें रंगकर्म की समृद्ध परंपरा विरासत में मिली है। उनके मंडल ने भारत के साथ-साथ स्विट्जरलैंड, इटली, फ्रांस और दुबई के प्रतिष्ठित उत्सवों में भाग लिया है तथा जेरूसलम, सिंगापुर और येल विश्वविद्यालय (यूएसए) सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुति दी है।

नाटक में रामायण का अत्यंत भावुक प्रसंग प्रस्तुत किया गया। कथा के अनुसार रावण मायारूपी वेश में माता सीता का हरण कर ले जाता है। सीता के हाथ में भगवान राम द्वारा दिया गया चूड़ामणि होता है, जिसके जादुई रत्न के रावण के स्पर्श में आते ही उसका मायारूप टूट जाता है, किंतु रावण को इसका आभास नहीं होता। सीता को संकट में देख वीर पक्षी जटायु सहायता के लिए आते हैं और रावण से भीषण युद्ध करते हैं। अंततः रावण छलपूर्वक जटायु का वध कर लंका की ओर प्रस्थान करता है। प्रस्तुति के इस चरम दृश्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली के निदेशक पद्मश्री भरत सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कार्य परिषद सदस्य राजेश कुशवाह समाजसेवी नरेश शर्मा एवं संजू मालवीय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

दो बदमाश वारदात की नीयत से घूमते धराए

इंदौर। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राऊ पुलिस ने सफलता हासिल की है। रविवार को दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए वारदात की नीयत से घूम रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। युवकों के कब्जे से देशी पिस्टल, जिंदा कारतूस और चाकू बरामद किए हैं। अभियान के दौरान 15 फरवरी को पहली कार्रवाई सिलिकॉन सिटी गेट के पास नारायणी स्कूल के पीछे की गई। यहां युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम रितेश मंकवाना (25) निवासी टिकरिया राव कनाडिया बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से देशी पिस्टल, मैगजीन में जिंदा कारतूस तथा चाकू मिला। मौके पर पंचनामा और वीडियोग्राफी कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। दूसरी कार्रवाई बायपास स्थित कॉफी कॉन्सेप्ट कैफे के पास सर्विस लेन में की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने यहां से सत्येंद्र पाल (22) निवासी तेजाजी नगर को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से भी देशी पिस्टल, जिंदा कारतूस और चाकू बरामद हुआ। दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि अवैध हथियार कहां से लाए गए और क्या वे पहले भी किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे हैं।

दीवार से पुताई करते समय गिरा, हुई मौत

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में मकान की पुताई करते समय युवक की गिरने से मौत हो गई। घटना 30 सितंबर को अंकुर आंगन कॉलोनी में हुई। मृतक की पहचान 23 वर्षीय प्रेम राठौर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेम राठौर मकान में पुताई का काम कर रहा था। वह सीढ़ी के पास बने रोशनदान पर लगभग 15 फीट की ऊंचाई पर चढ़कर काम कर रहा था, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। मामले की जांच के बाद पुलिस ने सुरक्षा में लापरवाही बरतने के आरोप में ठेकेदार दयाराम राठौर निवासी देवपुरी खजराना के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

वन विभाग के चौकीदार की टक्कर से मौत

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से वन विभाग के चौकीदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान 73 वर्षीय शरीफ शाह निवासी ग्राम पिवडाय के रूप में हुई है। शरीफ शाह प्रति दिन पहले शाम को ड्यूटी खत्म कर साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे अनियंत्रित डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वे उछलकर गिर पड़े और उनके सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चलता रहा। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण उन्होंने रविवार को दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

डॉक्टर के सूने घर में चोरी हुई

इंदौर। मनोरमागंज इलाके में डॉक्टर के सूने मकान को निशाना बनाकर चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना पलासिया थाना क्षेत्र की है। फरियादी डॉ पुलकित चतुर्वेदी ने बताया कि वे शनिवार रात को किसी काम से बाहर गए हुए थे। जब रविवार को घर लौटे तो चोरी का पता चला। चोर मुख्य द्वार का ताला तोड़कर घर में घुस गए और अलमारी के लॉकर से 30 हजार रुपए नकद, आर्टिफिशियल ज्वेलरी और रसोई में रखे कीमती बर्तन समेट ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपनी के डायरेक्टर की अटैक से मौत

इंदौर। महालक्ष्मी नगर स्थित रिहैब सेंटर में इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के 50 वर्षीय डायरेक्टर की सेंटर में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। मृतक की पहचान आयोग पिता रामकुमार पटेरिया निवासी शालीमार सुखलिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ समय से व्यवसायिक दबाव के चलते मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे थे। इसी तनाव के कारण उन्हें नशे की आदत लग गई थी। परिवार से चर्चा के बाद उन्होंने स्वयं नशा मुक्ति के लिए रिहैब सेंटर में भर्ती होने का निर्णय लिया था। लसूड़िया पुलिस के अनुसार, रविवार शाम वे सेंटर पहुंचे, लेकिन कुछ ही घंटों में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता रामकुमार पटेरिया रतलाम में निगम कमिश्नर तथा विदिशा के सरकारी अस्पताल में भी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वे बैतूल में निवास कर रहे हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि सेंटर में भर्ती के बाद उन्हें कोई दवा दी गई थी या अत्यधिक तनाव के कारण अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के विस्तृत बयान के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

खंडवा रोड पर विधिक साक्षरता शिविर

इंदौर। गारमेंट्स पब्लिक स्कूल खंडवा रोड में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोर्ट परिसर के तत्वावधान में 100 दिनी बाल विवाह रोकथाम अभियान अंतर्गत विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधान जिला न्यायाधीश अजय श्रीवास्तव के निर्देशन एवं सचिव न्यायाधीश शिवराज सिंह गवली के मार्गदर्शन में लगा। इसमें पीएलवी डॉ छोटेलाल उटावदे एवं हेमेंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को कानूनी जानकारियां दी। कार्यक्रम में 412 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। डॉ उटावदे ने विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी देते हुए शहर में बढ़ती बच्चों के अपहरण की घटनाओं और अफवाहों से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना शिक्षक, अभिभावक या पुलिस को दें। आपात स्थिति में 112 डायल करने से न डरें। उन्होंने पास्को एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 की जानकारी दी। कार्यक्रम में नारकोटिक्स विभाग से पदमसिंह कायत (टीआई) ने नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला।

गिफ्ट के बहाने छात्रा के हाथ-पैर बांधे, हत्या कर शव से दरिंदगी

इंदौर। एमबीए की छात्रा खुशबू की हत्या करने वाला आरोपी द्वारकापुरी पुलिस की रिमांड पर है। रिमांड के दौरान उसने कई अहम जानकारियां दी। उसने बताया कि छात्रा खुशबू को गिफ्ट देने के बहाने हाथ पैर बांध दिए थे, फिर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव से दरिंदगी कर ढाई घंटे तक वहीं बैठा रहा। यह बयान सुनकर आरोपी से पूछताछ कर रही महिला सब इंस्पेक्टर की आंखों से आंसू छलक गए। आरोपी 18 फरवरी तक रिमांड पर है। आरोपी ने बताया कि घटना को अंजाम देने से पहले उसने सेक्स पॉवर बढ़ाने की घर के पास स्थित मेडिकल स्टोर से टैबलेट ली थी। जब छात्रा से उसने संबंध बनाने को कहा तो छात्रा ने अस्वस्थ होने के कारण मना किया, लेकिन वह नहीं माना और जबरदस्ती की। छात्रा के मना करने पर उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और उसके सीने पर बैठकर गला दबाया, जिससे वह बेहोश हो गई।

सीने पर बैठकर चाकू मारा

गला दबाने के बाद छात्रा ने दम तोड़ दिया। इसके बाद भी वह नहीं माना और सीने पर

आरोपी का बयान सुनकर रो पड़ी महिला सब इंस्पेक्टर

बैठकर चाकू से दो वार किए। घटना को अंजाम देने के बाद वह फूटी कोठी क्षेत्र की शराब दुकान से बीयर लेकर लौटा और शव के पास बैठकर शराब पी। जब उसे लगा कि पुलिस को सूचना मिल सकती है तो वह कपड़े बदलकर बैग लेकर रात में वहां से रेलवे स्टेशन आया और इंदौर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में बैठ गया।

कुंडली भी मिलाई

आरोपी ने कहा कि खुशबू के घर वालों को भी संबंधों की जानकारी थी। मैं कई बार छात्रा के छोटी बहन के साथ घूमने गया था। शादी के लिए हमारी कुंडली भी मिलाई गई थी। मेरे पिता रिश्ते के लिए तैयार नहीं थे। खुशबू भी किसी बात से नाराज चल रही थी, जिसके चलते वह 15 दिन से बात नहीं कर रही थी। तभी सोच लिया था कि अब वह सब कुछ खत्म कर देगा। छात्रा का पोस्टमॉर्टम एमवाय के तीन महिला और दो पुरुष डॉक्टरों की टीम ने किया। सामान्यतः ऐसी प्रक्रिया में सीमित सैंपल लिए जाते हैं, लेकिन हालात को देखते हुए डॉक्टरों ने शव से 12 नमूने जांच के लिए हैं।

अब नगर निगम में बारह एल्डरमैन की नियुक्ति की तैयारी, लाइन में कई नेता

विधायकों ने अपने खेमे के 3-3 नाम आगे बढ़ाए, कई जगह पेंच फंसा

इंदौर। जल्द ही नगर निगम में 12 एल्डरमैन नियुक्त करने की तैयारी शुरू हो गई। इसके लिए कई दावेदार अपने विधायकों के जरिए कोशिश में लगे हैं। कुछ नेता संगठन के जरिए जुगाड़ में लगे हैं। एल्डरमैन के दर्जनभर पदों के लिए 50 से ज्यादा नेता लाइन में लगे है। इसके अलावा निगम मंडलों के लिए भी दावेदारियां शुरू हो गई।

नगर कार्यकारिणी को घोषणा के बाद उपजे असंतोष व विरोध प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए पार्टी संगठन इस बार पूरी सावधानी से नाम आगे बढ़ाने की कोशिश में है। प्रदेश संगठन ने एल्डरमैन नियुक्ति के लिए स्थानीय संगठन से नाम मांगे है। विधायकों ने अपने स्तर पर 3-3 तो किसी ने 4 नाम आगे बढ़ाए। सांसद के साथ ही संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने समर्थकों के नाम आगे बढ़ाए। कुछ नाम प्रदेश स्तर पर भेजे जा चुके, लेकिन संगठन अभी मौन है। 12 एल्डरमैन बनाए जाना है, जिसके लिए 50 से ज्यादा नाम हैं। शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा का कहना है कि एल्डरमैन पद पर संगठन के पुराने नेताओं को भी स्थान दिया जाएगा।

निगम, मंडलों के लिए हलचल - सरकार में अब निगम-मंडलों पर भी नियुक्ति करने की तैयारी में है। इसकी भनक लगते हुए कई नेता स्थान पाने सक्रिय हो गए। अधिकांश की नजर आइडीए पर है, मंत्रियों ने अपने समर्थकों को बैठाने के प्रयास भी किए। संकेत मिला है कि अभी सरकार आइडीए में नियुक्ति के पक्ष में नहीं है। दूसरी ओर बताया जा रहा है कि निगम-मंडलों में नियुक्तियों के लिए पार्टी नेताओं की लिस्ट भी तैयार हो चुकी, पर घोषणा अर्से से अटकी है।

एमवाय के 3 गेट बंद, हाईकोर्ट के निर्देश, मरीजों को परेशान न करें

लोगों को लंबा चक्कर लगाकर अस्पताल में आना पड़ रहा

इंदौर। शहर के सबसे व्यस्त मार्ग के एमवाय अस्पताल के चार में से तीन गेट लंबे समय से बंद हैं। इसके चलते मरीजों, बुजुर्गों और उनके परिजनों को अस्पताल तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आपातकालीन स्थिति में आने वाले लोगों को भी अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। मुख्य द्वारों के बंद होने से मरीजों, बुजुर्गों और गंभीर स्थिति में आने वाले लोगों को लंबा चक्कर लगाकर अस्पताल में प्रवेश करना पड़ रहा है। एम्बुलेंस को ट्रैफिक और बंद गेटों के कारण अंदर पहुंचने में कीमती मिनट गंवाने पड़ रहे हैं। इस मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता महेश गर्ग ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया। लेकिन, कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर दी। इस मामले की सुनवाई मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की डबल बेंच में हुई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रतीक माहेश्वरी ने अदालत को बताया कि गेट बंद होने से आम नागरिकों को गंभीर असुविधा हो रही है। विशेष रूप से बुजुर्ग और गंभीर मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। गर्ग ने कहा कि मरीजों के परिजनों को गेट बंद होने से ऑटो और एम्बुलेंस चालक भी अंदर जाने में आनाकानी करते हैं

या अधिक किराया मांगते हैं। वहीं, पैदल आने वाले गरीब मरीजों के लिए यह दूरी तय करना किसी सजा से कम नहीं है।

हाईकोर्ट ने पूछा, गेट बंद क्यों

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने इंदौर नगर निगम से स्पष्ट रूप से पूछा कि जब अस्पताल सार्वजनिक उपयोग का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है तो उसके तीन गेट बंद रखने का कारण क्या है। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 23 फरवरी 2026 को निर्धारित की गई है। एमवाय अस्पताल इंदौर और आसपास के जिलों के लाखों लोगों के इलाज का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में गेट बंद रहने से न सिर्फ मरीजों बल्कि पूरे शहर के नागरिकों में नाराजगी है। अब सबकी नजर अगली सुनवाई पर है, जहां से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

इंदौर-दाहोद रेल लाइन परियोजना में 'टीटीएम मशीन' से तेजी आई

पीथमपुर-धार खंड पर टीटीएम मशीन लाकर पैकिंग कार्य शुरू

इंदौर। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में नई रेल लाइन, आमान परिवर्तन, दोहरीकरण, रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज तथा अन्य अधोसंरचनात्मक कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इसी क्रम में लगभग 204 किलोमीटर लंबी इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। टीही के पास टनल निर्माण कार्य जारी होने के कारण समय की बचत और कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से टीटीएम (ट्रैक टेंपिंग मशीन) को सड़क मार्ग से पीथमपुर-धार खंड में लाकर सफलतापूर्वक रेलवे ट्रैक पर उतारा गया है। इस मशीन को 16 फरवरी को क्रेन की सहायता से रेलवे लाइन पर उतारा गया। शीघ्र ही नई डाली गई रेल लाइन पर पैकिंग कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इससे टनल का काम पूरा होने तक पीथमपुर-धार खंड पर ट्रैक सुदृढ़ीकरण कार्य भी समानांतर रूप से पूरा कर लिया जाएगा। टीटीएम मशीन द्वारा ट्रैक की पैकिंग से पटरियों की समतलता, स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित होती है, जिससे सुरक्षित एवं सुगम रेल संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा।

क्षेत्रीय विकास की दिशा में कदम

इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन मध्य प्रदेश के धार एवं झाबुआ जिलों से होकर गुजरेगी, जहां वर्तमान में रेल संपर्क उपलब्ध नहीं है। यह परियोजना क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास की जीवन रेखा सिद्ध होगी। साथ ही इंदौर से मुंबई एवं दक्षिण भारत की दिशा में एक नया एवं अपेक्षाकृत छोटा रेल मार्ग उपलब्ध होगा, जिससे यात्रियों एवं माल परिवहन दोनों को लाभ मिलेगा। भारतीय रेल द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना को चरणबद्ध एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे निर्माण विभाग इंदौर-धार खंड को शीघ्र प्रारंभ करने के लक्ष्य के साथ पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्यरत है।

परियोजना की वर्तमान प्रगति

- दाहोद से कटवाड़ा तथा इंदौर से टीही तक रेल लाइन निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।
- टीही से धार तथा कटवाड़ा से झाबुआ के मध्य निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही धार से झाबुआ खंड पर भी कार्य जारी है।
- पीथमपुर के समीप लगभग 3 किमी लंबी टनल का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें फिनिशिंग, ट्रैक बिछाने एवं अन्य तकनीकी कार्य शामिल हैं।
- टीही-धार एवं कटवाड़ा-झाबुआ खंडों में ट्रैक लिंकिंग, ओएचई, स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म निर्माण तथा सिग्नलिंग कार्य प्रक्रियाधीन हैं।

इलाज के दौरान महिला की मौत के मामले में क्लीनिक सील किया

डॉ. पंजवानी और मेडिकल संचालक पर एफआईआर दर्ज

इंदौर। एक डॉक्टर और मेडिकल संचालक के खिलाफ महिला की मौत के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। जूनी इंदौर क्षेत्र में क्लीनिक संचालित करने वाले इस डॉक्टर के खिलाफ मृतक महिला के बेटे ने कलेक्टर, कमिश्नर सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की थी। इसके बाद प्रशासन ने डॉ ज्ञान एस पंजवानी का क्लीनिक सील कर दिया। पुलिस ने मार्तंड नगर निवासी रोहन पुत्र आत्माराम चौहान की शिकायत पर श्रीचंद पुत्र साबूमल बागेजा निवासी हर्ष क्लिनिक, खातीवाला टैंक और डॉ ज्ञान एस पंजवानी निवासी हर्ष क्लिनिक के खिलाफ कार्रवाई की है। दोनों पर मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1987, मप्र चिकित्सा शिक्षा संस्था नियंत्रण अधिनियम 1973 की धारा 8(2) तथा धारा 49 बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, खातीवाला टैंक स्थित हर्ष क्लीनिक में फर्जी डिग्री के आधार पर प्रतिबंधित और आपत्तिजनक दवाओं से आम जनता का इलाज किए जाने की शिकायत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ माधव प्रसाद हासानी को दी गई थी। जांच प्रतिवेदन के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

इलाज के दौरान हुई मौत- जानकारी के अनुसार, 18 सितंबर 2025 को मरीज मंजू चौहान की हर्ष क्लीनिक में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद 7 अक्टूबर 2025 को मृतका के बेटे रोहन चौहान ने शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि फर्जी डिग्री के आधार पर प्रतिबंधित दवाओं से इलाज किया जा रहा था और क्लीनिक में प्रतिबंधित दवाओं का भंडारण भी किया गया था।

सामने आई अनियमितताएं

मामले की जांच के लिए डॉ दिव्यानी अग्रवाल के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया, जिसमें डॉ वीरेंद्र राजगिर और डॉ अभिषेक निगम शामिल थे। साथ ही औषधि निरीक्षक सारिका अग्रवाल ने भी क्लीनिक का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि श्रीचंद बागेजा बिना वैध अनुमति के एलोपैथिक दवाओं से मरीजों का इलाज कर रहा था। वहीं, डॉ ज्ञान एस पंजवानी ने उसे अपने सहायक के रूप में क्लीनिक में रखा हुआ था, जहां मरीजों का इलाज किया जा रहा था। जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नो पार्किंग में वाहन खड़े मिले तो कार्रवाई करने की चेतावनी दी

राजवाड़ा के ट्रैफिक सुधार के लिए व्यापारियों को समझाया

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस लगातार राजवाड़ा क्षेत्र की व्यवस्था सुधारने में लगा हुआ है। रोजाना वहां ट्रैफिक अमला पहुंचकर व्यापारियों से सहयोग मांग रहा है। इसी क्रम में सोमवार को व्यापारियों के साथ यातायात विभाग के अधिकारियों ने बैठक ली। बैठक में व्यापारियों को पुलिस ने दो टूक शब्दों में कहा कि नो पार्किंग में वाहन मिले तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यातायात डीसीपी ने बताया कि राजवाड़ा क्षेत्र में पैदल गश्त, निरीक्षण और सख्त कार्रवाई के माध्यम से व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। नो-पार्किंग में खड़े वाहनों, तांग साइड चलने वालों और यातायात बाधित करने वाले वाहनों पर क्रेन के जरिए कार्रवाई की जा रही है। आने वाले दिनों में नियम तोड़ने वाले वाहनों पर व्हील लॉक लगाने की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि कई दुकानदारों ने ड्रूकेवल ग्राहकों के लिए पार्किंग के बोर्ड लगाकर सकारात्मक पहल की है और अपने निजी वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़े करना शुरू किया है।

सीमित समय के लिए खड़े करें- व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। डीसीपी ने व्यापारियों से अपील की कि वे दुकानों के बाहर बनी सफेद पट्टी में केवल ग्राहकों के वाहन सीमित समय के लिए ही खड़े होने दें और अपने वाहन निर्धारित पार्किंग में रखें। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। बैठक में व्यापारियों ने पुलिस की पहल का स्वागत करते हुए भरोसा दिलाया कि यातायात सुधार अभियान में वे पूरा सहयोग देंगे।

मेट्रो रेल का 11 किमी का ट्रैक तैयार, इस महीने संचालन बढ़ने के आसार

इंदौर। इस सप्ताह सिक्योरिटी ऑडिट के लिए सीएमआरएस की टीम आएगी। इंदौर मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने इसके लिए पूरी कर ली। दावा है कि 11 किलोमीटर लंबा ट्रैक पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है। जबकि, स्टेशनों का काम अभी अधूरा है। दावा यह भी है कि संचालन शुरू होने के पहले तक अधिकांश पूरा कर लिया जाएगा। मार्च तक संचालन शुरू करने का प्रयास है, लेकिन सीएमआरएस के दौरे की देरी होने की स्थिति में अप्रैल तक टलने के आसार है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का मानना है कि इस सप्ताह सीएमआरएस की टीम आ जाएगी। टीम अपने स्तर पर पूरे ट्रैक को चेक करने के बाद सीएमआरएस को रिपोर्ट देगी और वे मार्च के पहले सप्ताह में दौरे के लिए आएंगे। सिक्योरिटी ऑडिट में एनओसी मिलने के साथ ही बड़ा आयोजन कर सुपर कॉरिडोर से रेडिसन स्टेशन तक 11 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का संचालन पूरा हो जाएगा। दावा है कि एक

देश में पहली बार 11 किमी ट्रैक पर मेट्रो का संचालन हो रहा

साथ 11 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर मेट्रो का संचालन देश में पहली बार हो रहा है।

24 घंटे चल रहा काम

अभी गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर स्टेशन 3 तक करीब 6 किलोमीटर में मेट्रो का संचालन हो रहा है। मार्च में 11 किलोमीटर यानी कुल 17 किलोमीटर में संचालन पूरा हो जाएगा। अफसरों का दावा है कि इस हिस्से में ट्रैक, थर्ड रेल (बिजली लाइन) आदि सारे काम हो गए हैं। जूनियर टीम जो सुधार बताएगी वह पूरा कर दिया जाएगा। फिलहाल मुख्य सीएमआरएस के दौरे का इंतजार है। स्टेशनों के अंदरूनी काम पूरे हैं, 24 घंटे काम चल रहा, रंगाई पुताई चल रही है।

येलो लाइन 31 से 33 किमी की

इंदौर मेट्रो का पहला 6 किलोमीटर लंबा सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर क्षेत्र तक 31 मई 2025 से शुरू हो चुका है, जिसमें 5 स्टेशन शामिल हैं। पूरी येलो लाइन लगभग 31-33 किलोमीटर लंबी होगी और इसमें करीब 28-29 स्टेशन बनाए जाएंगे। परियोजना के पहले चरण की लागत लगभग 1500 करोड़ रुपए रही, जबकि कुल अनुमानित लागत 12000 करोड़ रुपए से अधिक है।

संपादकीय

एनसीपी: विलय पर विराम?

लगता है अजित पवार के निधन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) के दोनों धड़ों के बीच विलय की चर्चाओं पर अब लंबा विराम लग गया है। कहा तो यह भी जा रहा है कि विलय की चर्चाएं तो हो ही गई हैं। अजित पवार के रहते आपस में विलय की बात काफी हद तक आगे बढ़ गई थी। लेकिन ताजा घटनाक्रम का साफ संकेत है कि कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों के मद्देनजर ऐसा नहीं चाहते। इसका सबसे बड़ा प्रमाण अजित पवार के भतीजे रोहित पवार द्वारा चाचा की विमान हादसे में मौत को संदिग्ध बताते हुए इसकी जांच की मांग है। जबकि स्वयं अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने ऐसी कोई मांग अभी तक नहीं की है। रोहित का निशाना असल में सुनेत्रा के सलाहकारों पर है। ऐसे में अगर दोनों धड़ों की बात हो भी रही होगी तो उस पर विराम लग गया है। इस बात इशारा इससे भी मिलता है कि एनसीपी (अजित पवार) ने विधायकों के बयान देने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। चर्चा है कि सुनेत्रा पवार को 26 फरवरी को पार्टी का अगला अध्यक्ष चुना जा सकता है। एनसीपी अजित पवार गुट के नेतृत्व ने अपने विधायकों पर सख्त 'गैग ऑर्डर' (मौन आदेश) जारी कर दिया है। यानी फिलहाल दोनों एनसीपी गुटों का विलय संभव नहीं है। यह निर्देश सोमवार को उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के आधिकारिक निवास 'देवगिरि' में विधायकों की बैठक में जारी किया गया। बैठक में पार्टी ने यह भी औपचारिक रूप से तय किया कि दिवंगत पार्टी प्रमुख अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को अगला एनसीपी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाएगा। कोर कमेटी की बैठक में सभी विधायकों ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव का समर्थन किया। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार नेतृत्व यह जानना चाहता है कि कुछ विधायकों द्वारा एनसीपी (एसपी) के साथ विलय की मांग क्यों की जा रही है। क्या यह बाहरी प्रभावों से प्रेरित है या विधायकों की अपनी मान्यता है कि विलय से उनके क्षेत्रों में स्थिति मजबूत होगी? हाल ही में इस बात के संकेत मिले थे कि अगर विलय नहीं होता है तो कुछ विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। शायद इसे रोकने के लिए विलय की चर्चाओं पर रोक लगाई गई है। इसकी वजह पार्टी नेतृत्व को फिलहाल विलय की कोई आवश्यकता नहीं दिख रही। कुछ एनसीपी विधायकों जैसे नरहरी झिरवाल, अनिल पाटिल और हाल ही में हिरामण खोसकर ने सार्वजनिक रूप से दोनों गुटों के विलय की बात की थी। खोसकर ने तो दावा किया था कि 30 से 35 विधायक विलय के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा था कि अगली बैठक में वह इस मुद्दे को उठाएंगे। हालांकि, सोमवार की बैठक में खोसकर व्यक्तिगत कारणों से अनुपस्थित रहे।

राज्य एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पहले कहा कि बैठक में विलय पर कोई चर्चा नहीं हुई। खोसकर के बयान पर उन्होंने कहा, 'वे आज व्यक्तिगत कारणों से बैठक में नहीं आए। लेकिन सभी विधायकों ने तय किया है कि पार्टी नेतृत्व विलय पर उचित निर्णय लेगा।' इस बीच, पार्टी ने मंत्री नरहरी झिरवाल का समर्थन करने का फैसला किया है, जो उनके कार्यालय के एक क्लर्क के रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद विवाद में हैं। एक सूत्र ने कहा, 'पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी जब तक उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं मिलता।' सूत्र ने बताया कि धनंजय मुंडे और माणिकराव कोकाटे जैसे दो अन्य मंत्रियों के इस्तीफे के बाद एक और प्रभावशाली नेता को अलग-थलग करना नुकसानदायक होगा। दरअसल पार्टी को असली डर भाजपा से है। उसे लगता है कि बीजेपी अकेले सत्ता में आने के लिए एनसीपी में भी सेंध लगा सकती है।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

सत्य बनाम कृत्रिमता : एआई युग की सबसे बड़ी चुनौती

डीपफेक तकनीक एआई के आधुनिक और जटिल प्रयोग के रूप में जाना जाता है। इस तकनीक के माध्यम से किसी भी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या भाव-भंगिमा को इस प्रकार बदला जा सकता है कि वह पूरी तरह वास्तविक प्रतीत हो। शुरू में डीपफेक का प्रयोग मनोरंजन, फिल्म निर्माण और रचनात्मक प्रयोगों तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे इसका दुरुपयोग बढ़ने लगा। राजनीतिक प्रचार, सामाजिक विद्वेष, आर्थिक धोखाधड़ी, व्यक्तिगत बदनामी और निजी जीवन में हस्तक्षेप जैसे क्षेत्रों में डीपफेक का उपयोग होने लगा है। इसके परिणामस्वरूप सत्य और असत्य के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है और डिजिटल दुनिया में विश्वास की नींव कमजोर पड़ती जा रही है। जब कोई व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है, वह वास्तविक है या कृत्रिम, तब समाज में भ्रम और असुरक्षा की भावना जन्म लेती है।

जब से दुनिया में मानव आया है तब से अपनी आवश्यकताओं के अनुसार नई नई खोजें करते रहा है। इसी क्रम में एआई के रूप में वैज्ञानिकों ने एआई के रूप में एक ऐसी खोज की है, जिसने मनुष्य के कार्यों को आसान कर दिया है। एआई ने हमारे जिंदगी ने तीव्रता ला कर चार चांद लगा दिए हैं। तकनीक ने जहाँ सुविधाओं के द्वार खोले हैं, वहीं सत्य, विश्वास और नैतिकता के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं। डीपफेक और डिजिटल भ्रम ने वास्तविकता और कल्पना के बीच की रेखा को धुंधला कर दिया है। ऐसे समय में यह आवश्यक हो गया है कि हम तकनीक की शक्ति को समझें, उसकी सीमाएँ पहचानें और मानव मूल्यों के साथ उसकी जिम्मेदारी को भी स्वीकार करें। एआई ने न केवल हमारी सोच और कार्यशैली को बदला है, बल्कि सूचना के निर्माण, प्रसार और उपभोग की प्रक्रिया को भी पूरी तरह रूपांतरित कर दिया है।

आज के दौर में हम देख रहे हैं कि तस्वीरें, आवाजें, वीडियो, लेख, संवाद और डिजिटल सामग्री इतनी तेज़ी और सटीकता से तैयार हो रही हैं कि मानव की कल्पना और क्षमता भी कई बार पीछे छूट जाती है। एआई ने शिक्षा, शोध, कला, विज्ञान, चिकित्सा, पत्रकारिता और संचार जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। परंतु इस तकनीकी क्रांति के साथ-साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, जिनमें डीपफेक, झूठी सूचनाएँ और डिजिटल धोखाधड़ी प्रमुख हैं। यही कारण है कि आज एआई के उपयोग को केवल तकनीकी दृष्टि से नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और कानूनी दृष्टिकोण से भी समझना और नियंत्रित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

डीपफेक तकनीक एआई के आधुनिक और जटिल प्रयोग के रूप में जाना जाता है। इस तकनीक के माध्यम से किसी भी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या भाव-भंगिमा को इस प्रकार बदला जा सकता है कि वह पूरी तरह वास्तविक प्रतीत हो। शुरू में डीपफेक का प्रयोग मनोरंजन, फिल्म निर्माण और रचनात्मक प्रयोगों तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे इसका दुरुपयोग बढ़ने लगा। राजनीतिक प्रचार, सामाजिक विद्वेष, आर्थिक धोखाधड़ी, व्यक्तिगत बदनामी और निजी जीवन में हस्तक्षेप जैसे क्षेत्रों में डीपफेक का उपयोग होने लगा है। इसके परिणामस्वरूप सत्य और असत्य के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है और डिजिटल दुनिया में विश्वास की नींव कमजोर पड़ती जा रही है। जब कोई व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है, वह वास्तविक है या कृत्रिम, तब समाज में भ्रम और असुरक्षा की भावना जन्म लेती है।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। लोकतंत्र की आधारशिला सत्य, पारदर्शिता और नागरिकों के विश्वास पर टिकी होती है। यदि डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित होने वाली सूचनाएँ संदिग्ध और अविश्वसनीय हो जाएँ, तो समाज में अफवाहें फैल सकती हैं, लोगों के बीच अविश्वास बढ़ सकता है और सामाजिक सौहार्द्र प्रभावित हो सकता है। यही कारण है कि भारतीय सरकार ने एआई और डीपफेक से संबंधित नियमों को और अधिक सख्त बनाने का निर्णय लिया है। सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े नियमों में संशोधन कर एआई-निर्मित सामग्री की स्पष्ट परिभाषा तय की गई है। इसके साथ ही सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी भी बढ़ाई गई है, ताकि गलत, भ्रामक और हानिकारक सामग्री को

समय रहते हटाया जा सके और डिजिटल वातावरण को सुरक्षित बनाया जा सके।

हाल ही में सरकार द्वारा जारी नए नियमों के अनुसार, यदि कोई सामग्री एआई द्वारा निर्मित या परिवर्तित की गई है, तो उसकी स्पष्ट पहचान देना आवश्यक होगा। उपयोगकर्ताओं को पोस्ट करते समय यह बताना होगा कि सामग्री का स्रोत क्या है और क्या वह कृत्रिम रूप से बनाई गई है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को तकनीकी साधनों की सहायता से सूचना की सत्यता की जाँच करनी होगी। इससे डिजिटल दुनिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और नागरिकों को सत्य और असत्य के बीच अंतर करने की क्षमता प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त, किसी भी हानिकारक या भ्रामक सामग्री को तुरंत हटाने की जिम्मेदारी भी प्लेटफॉर्म्स पर डाली गई है। इससे न केवल उपयोगकर्ता, बल्कि डिजिटल माध्यम भी कानूनी रूप से उत्तरदायी बनेंगे और उन्हें अपनी भूमिका को अधिक गंभीरता से निभाना होगा।

एआई के नियमन का मुख्य उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे सही दिशा देना है। एआई मानव जीवन को सरल, सुविधाजनक और प्रभावी बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है, किंतु यह मानव मूल्यों के विरुद्ध न जाए, इसका ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, मानवीय गरिमा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों की रक्षा करते हुए एआई का विकास होना चाहिए। इसी उद्देश्य से भारत ने एआई के लिए स्वतंत्र दिशानिर्देश तैयार किए हैं, जिनमें सुरक्षित, समावेशी और जिम्मेदार एआई उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। यह प्रयास इस बात का संकेत है कि तकनीकी विकास के साथ-साथ मानवीय और सामाजिक मूल्यों की रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

लेकिन सच कहें तो इसके समाधान के लिए केवल कानून और नियम ही पर्याप्त नहीं हैं। डिजिटल साक्षरता और नागरिकों की जागरूकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आज के डिजिटल युग में प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना आवश्यक है कि वह जिस जानकारी को देख रहा है, पढ़ रहा है या साझा कर रहा है, वह कितनी विश्वसनीय है। सामान्य नागरिकों को भी एआई-निर्मित सामग्री को पहचानने की क्षमता विकसित करनी होगी। किसी भी सूचना को स्वीकार करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ और सत्यता की जाँच करना आवश्यक है। इसके साथ ही शिक्षा संस्थानों, मीडिया और सामाजिक संगठनों को डिजिटल नैतिकता के विषय में जनजागरण करना चाहिए। क्योंकि डिजिटल दुनिया का प्रत्येक नागरिक केवल सूचना का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका निर्माता और प्रसारक भी है। यदि नागरिक स्वयं जागरूक होंगे, तो डिजिटल दुनिया में झूठ और भ्रम का प्रभाव स्वतः कम हो जाएगा।

इस परिस्थिति में एआई और डीपफेक के लिए नैतिकता का काफी महत्व है। तकनीक जितनी शक्तिशाली होती है, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बढ़ जाती है। एआई विकसित करने वाले वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, कंपनियों और संस्थाओं को नैतिक मूल्यों को ध्यान में रखकर ही तकनीक का उपयोग करना चाहिए। यदि लाभ, प्रसिद्धि या सत्ता की लालसा में एआई का दुरुपयोग किया गया, तो समाज को उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए एआई के विकास में मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए रखना अनिवार्य है। तकनीक को केवल लाभ का साधन नहीं, बल्कि मानव कल्याण का माध्यम बनाना ही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी चुनौती है।

आज की डिजिटल दुनिया केवल तकनीक की दुनिया नहीं, बल्कि विश्वास की दुनिया भी है। यदि विश्वास समाप्त हो गया, तो तकनीकी प्रगति भी अर्थहीन हो जाएगी। इसलिए एआई और डीपफेक की चुनौतियों का सामना करने के लिए सरकार, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, तकनीकी विशेषज्ञों और नागरिकों को मिलकर प्रयास करना होगा। नियम, नैतिकता और जागरूकता, इन तीन स्तंभों पर आधारित डिजिटल व्यवस्था का निर्माण किया गया, तो एआई मानवता के लिए वरदान सिद्ध हो सकती है। जब तकनीक और मानव मूल्य एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी डिजिटल दुनिया सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेगी।

वास्तव में एआई आधुनिक युग की अपरिहार्य वास्तविकता है। इसकी प्रगति को रोका नहीं जा सकता और न ही ऐसा करना आवश्यक है। किंतु इसके उपयोग को दिशा देना, सीमाएँ निर्धारित करना और मानव मूल्यों की परिधि में रखना अत्यंत आवश्यक है। डीपफेक और झूठी सूचनाओं जैसी समस्याओं से निपटने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम डिजिटल लोकतंत्र की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। यदि भविष्य में एआई और मानव के बीच संबंध केवल तकनीकी ही नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक दृष्टि से भी परिपक्व हो जाए, तो डिजिटल दुनिया वास्तव में सुरक्षित, विश्वसनीय और मानव-केंद्रित बन सकेगी।

एआई का भविष्य केवल तकनीकी विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव समाज की संरचना, सोच और मूल्यों को भी प्रभावित करेगा। इसलिए यह आवश्यक है कि एआई को केवल सुविधा का साधन न मानकर, उसे सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जोड़ा जाए। डिजिटल युग में सच्चाई, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी, इन तीनों का संतुलन बनाए रखना ही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि हम इस संतुलन को बनाए रखने में सफल होते हैं, तो एआई और डिजिटल तकनीक मानव सभ्यता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का माध्यम बन सकती है और डिजिटल दुनिया मानवता के लिए एक सुरक्षित, न्यायपूर्ण और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकती है।

मोहन सरकार उपलब्धि

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं पत्रकार हैं।

एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ता मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश आज एक ऐसे परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जहाँ विकास नारा न होकर धरातल पर उतरती हुई वास्तविकता बन चुका है। राज्य की आर्थिक गति, औद्योगिक विस्तार, कृषि समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में हो रहे सतत प्रयासों ने इसे देश के तेजी से उभरते राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। इस परिवर्तन के केंद्र में हैं डॉ. मोहन यादव, जिनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना है कि राज्य का विकास देश के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है। वे अक्सर कहते हैं कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊँचाइयों को छू रहा है और इसी दिशा में मध्यप्रदेश भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य ने एक व्यापक दृष्टिपत्र तैयार किया है, जिसमें आने वाले 25 वर्षों में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में एक तरह से देखें तो जिस गति से आर्थिक प्रगति की है, वह प्रेरणादायक है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान में लगभग 1 लाख 55 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसे अगले 25 वर्षों में 22 लाख 50 हजार रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे व्यापक औद्योगिक निवेश, कृषि उत्पादन और सेवा क्षेत्र के विस्तार से हासिल किया जाएगा।

राज्य सरकार ने औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए 18 नई औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों का उद्देश्य बड़े शहरों के साथ ही छोटे और दूरस्थ क्षेत्रों तक उद्योगों को पहुँचाना है। इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टरों पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगा है।

मप्र में तेजी से बढ़ते उद्योगों और निवेश के कारण रोजगार के नए अवसर लगातार पैदा हो रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाला बने। इसी उद्देश्य से स्वरोजगार और युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। यही कारण है कि वर्तमान में प्रदेश की बेरोजगारी दर मात्र 1 से 1.5 प्रतिशत के बीच रह गई है, जोकि देश के कई राज्यों की तुलना में काफी कम है। इसका सीधा संबंध उद्योगों के विस्तार, एमएसएमई सेक्टर की मजबूती और कृषि आधारित रोजगार से है।

वस्तुतः यहां देखने में यह भी आ रहा है, जैसा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना भी है कि एमएसएमई क्षेत्र राज्य के औद्योगिक विकास की बैकबोन है। छोटे और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर ही व्यापक स्तर पर रोजगार सृजित किया जा सकता है। यही कारण है कि राज्य सरकार एमएसएमई और लघु उद्योगों को विशेष अनुदान, कर में रियायत और आसान ऋण सुविधा उपलब्ध करा रही है। औद्योगिकरण को विशेष रूप से जनजाति और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कटनी और शहडोल जैसे क्षेत्रों में माइनिंग सेक्टर में निवेश बढ़ा है, वहीं नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स के निर्माण के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

यही कारण है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मिले लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से करीब 8 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश की नीतियों और वातावरण पर लगातार बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश लंबे समय से कृषि क्षेत्र में अग्रणी रहा है और सरकार इसे और सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। कृषक कल्याण वर्ष के तहत किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया गया है। कृषि उत्पादन के साथ-साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। सिंचाई के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ाया गया है और इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा क्षेत्र के किसानों को विशेष लाभ मिला है।

इसके साथ ही नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य देश में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है। मुरैना में उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर एक बड़ा सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है, जिससे दोनों राज्यों को बिजली का लाभ मिलेगा। किसानों को सोलर पंप देकर ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मंदसौर के गांधी सागर बांध में पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट की स्थापना भी राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह सब प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को भी गति दे रहे हैं।

औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ भविष्य में कुशल श्रमिकों की मांग भी बढ़ेगी। इसे ध्यान में रखते हुए शिक्षा नीति 2020 के तहत युवाओं के कौशल उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेजों में आईटी सेंटर खोले जा रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। सरकार तकनीक को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देख रही है और युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी ठोस काम मध्यप्रदेश में मोहन सरकार के नेतृत्व में होता हुआ इन दिनों बड़े स्तर पर देखा जा सकता है। प्रदेश के एक लाख से अधिक स्वसहायता समूहों को बाजार और तकनीकी सहायता दी जा रही है। उद्योगों में महिलाओं को 48 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है और उनके लिए विशेष औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं। वहीं धार्मिक पर्यटन को नई गति देने के लिए होम-स्टे जैसी योजनाओं को बढ़ावा दिया गया है। इससे एक ओर पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल रही है, तो दूसरी ओर ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि का नया मार्ग खोल रही है, महिला सशक्तिकरण की इसमें बड़ी भूमिका है।

राज्य ने विकास के साथ-साथ सुरक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश नक्सलवाद से लगभग मुक्त होने वाला राज्य बन गया है। यह उपलब्धि विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में अहम भूमिका निभा रही है।

ऐसे में कहना यही होगा कि आज डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने यह दिखा दिया है कि सही नीतियों, स्पष्ट दृष्टि और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ किसी भी राज्य को विकास के नए शिखर तक पहुंचाया जा सकता है। जब विदेशी कंपनियां भी यहां निवेश करने के लिए उत्साहित हैं, युवा उद्यमिता की ओर बढ़ रहे हैं और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास सफल हो रहे हैं, तब यही कहना होगा कि मध्यप्रदेश एक नए औद्योगिक और आर्थिक युग की दहलीज पर खड़ा है।

श्वान संघ की समस्या

कटाक्ष

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हलवाई खाना वहां का पुराना नाम था।कारण वहां हलवाई और चाट वालों की संख्या बहुत अधिक थी।पूरा शहर अपनी स्वादेन्द्रियों के नए अनुभव के लिए वहां आता था। दिन भर भीड़ लगी रहती थी। भीड़ तो रात में भी पीछा नहीं छोड़ती। ये उस समय की बात है जब डस्टबिन का रिवाज न था। भीड़ खाती और बेरहमी से दोने वहीं फेंककर चली जाती। कहते हैं गोबर उठता है तो कुछ लेकर उठता है,इसी तरह मीठा हो या नमकीन,फेंके गये दोनों में कुछ तो रह ही जाता है।अब कुत्ते तो कुत्ते होते हैं मुफत का माल चाटने से बाज नहीं आते। सो धीरे-धीरे वहां आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती चली गई। फिर इतनी बढ़ गई कि अराजकता से बचने और अनुशासन बनाये रखने के लिए उन्होंने स्थानीय स्तर पर श्वान संघ का गठन कर लिया।संघ का नेता भी जरूरी था सो एक नेता भी चुन लिया। अब नेता पर किसका वश? वह यदा कदा दूसरे मुहल्लों में मुंह मारने चला जाये तो उपनेता की जरूरत महसूस होने लगी। फिर एक उपनेता भी बना लिया।फिर समूह में किसी और की महत्वाकांक्षा जागी तो अनुशासन के भय से दो उपनेता कर लिये। संघ का उददेश्य केवल ये था कि अपने सदस्यों के होते कोई दूसरे मुहल्ले का वहां न आये। आये तो संघ की एकता व सामूहिक प्रयासों से तुरंत भगा दिया जाये। पिछले एक दशक से संघ सफलतापूर्वक चल रहा था किन्तु अब एक नई समस्या ने सर उठाना शुरू कर दिया। संघ के सदस्य बूढ़े हो रहे थे। उनकी आक्रामकता में पहले वाली बात नहीं रही। इधर नगर की नरक पालिका ने भी संघ के सदस्यों को या तो पकड़कर बाहर भेज दिया था या इस लायक नहीं छोड़ा था कि नए सदस्यों की आमद हो सके। अतः वो मुहल्ले में किसी काम के नहीं रहे। इस कारण संघ को संभालने के लिए नए सदस्यों की भर्ती की ज़रूरत महसूस होने लगी। वैसे भी हर संघ चाहता है कि वह न सिर्फ सक्रिय रहे अपितु उसका विस्तार भी हो।

इधर हलवाई खाने की बहुत सी दुकानें अतिक्रमण अभियान की भेंट चढ़ गईं। कुछ दुकानें आकार में आधी रह जाने से दुकानदारों ने काम धंधा बदल लिया। कुछ ने बैंड बाजे बजाये तो कुछ ने सुनारी संभाली। कुत्ते भूखे रहने लगे।संघ में कानाफूसी होने लगी कि नेता उपनेता किसी काम के नहीं हैं, इन्हें बदला जाये। नेता बूढ़ा था मगर नेता होने से अच्छा खाता पीता था। दिन भर चरने और तनाव मुक्त रहने से खासा हट्टा कट्टा भी था। उससे सीधे पंगा लेना इतना आसान भी न था।संघ में उसके विरोधी उसे गेंडा हाथी कहते थे। उसका अपना समर्थक वर्ग भी था। सो बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे? तय हुआ कि पहले आसपास के मुहल्लों के नए सदस्यों को लाकर जोड़ा जाये फिर अपना बहुमत होने पर देखेंगे। आखिर सत्ता पलटने के लिए बहुमत तो जरूरी है। अब होने को तो कुत्ते ही ठहरे वो भी उम्र के कारण बाहु बल में कमजोर थे और धन बल उन पर कहां से आया जो रातों रात सत्ता बदल दें?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.- 453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

इंद्रलोक से कल्पना का पूर्वलोक निहारते हुए

विक्रम सम्वत् 2103, भाद्रपद कृष्णा त्रयोदशी, दिनांक 18 अगस्त, 2047, रविवार। इंद्रलोक में आज साप्ताहिक अवकाश है। सभा में अप्सराएँ नृत्य करने नहीं आएँगी। देव छोटे छोटे समूह बनाकर अनौपचारिक विमर्श में लीन थे। एक छोटे से समूह में देव अपने पूर्वलोक में सर्वत्र बिखरे विकास का आलोक निहार रहे हैं।

विकसित जंबूद्वीप। जितना दृश्य उनके नेत्रों में समा पाता है सड़कें ही सड़कें दिखाई पड़तीं हैं। नश्वर संसार में अविनाशी राजमार्गों का चमचमाता विशाल जाल देखकर मन पुलकित हो उठा है। नीली छतरी के पार से जिस तरफ दृष्टि जितनी दूर तक जा पाती है पिछड़ेपन की कोई निशानी दिखाई नहीं पड़ती, न वन और न वन्य जीव, न चौपाए, न पक्षी, न खेत, न नदी, न तालाब, न झरने, न पहाड़, न हरे-भरे खेत, न लहराती फ़सलें, न हरीतिमा के विस्तार, न छोटे गाँव, न मिट्टी के घर। इन सब को एक संग्रहालय में समेट दिया गया जिसे आप वर्किंग-डे में 11 से 5 के बीच टिकट खरीदकर देख सकते हैं। बहरहाल, देव देख पा रहे हैं तो बस तेज़ रफ्तार मोटरें, हैचबैक, सेडान, प्रीमियम सेडान, टेस्ला, बीवाईडी, लिमोजिन, फ्लाईओवर, टोल प्लाज़ा, लेन-ही-लेन, सड़कें-ही-सड़कें। कहीं कहीं खुली जगह के टापू जो दीख रहे हैं उन पर भी धड़ल्ले से सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। खुली जगह एक इंच बचेगी नहीं। लेन के दोनों ओर चमचमाते रिसोर्ट, ढ़ाबे और रिट्रीट दृष्टिगोचर हो रहे हैं। हर लेन में वाहनों की लम्बी कतारें, कतारों में दौड़ता विकास, तेज़ी से घूमते टायरों से घरघराती आवाज़ निकालता विकास, ओजोन परत में छेद करता विकास, कार्बन से धरती को तप्त करता विकास। कुछेक वर्ष पूर्व तक कितना पिछड़ा हुआ था उनका अपना पूर्वलोक!! युगों युगों से जम्बूद्वीप की राजसत्ता पर्यावरण बचाने के फेर में विकास की उपेक्षा करती रही, अब सब ठीक हो गया लगता है।

एक अन्य देव ने कहा - 'वह पर्वत भी दृष्टिगोचर नहीं हो रहा जिसकी कंदराओं में बैठकर हमने घोर तपश्चर्या की थी।'

'हाँ देव, वह उस ओर था। अब उसे समतल कर सड़क बना दी गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग। एनएच-92947। राजमार्गों ने शतकों का शतक पूरा कर लिया है। राजमार्ग भी कितने चौड़े, बाप-रे-बाप!! उस ओर दृष्टि डालिए देव, आपके नेत्र खुले-के-खुले रह जाएँगे। दिल्ली मुंबई राजमार्ग। चार सौ बत्तीस लेन का। दो सौ सोलह लेन पर जानेवाली गाड़ियाँ, दो सौ सोलह लेन पर आनेवाली गाड़ियाँ। इसे कहते हैं विकास!'

'वह आश्रम भी दृष्टिगोचर नहीं हो रहा जहाँ इंद्र हमारी तपस्या में विघ्न उत्पन्न करने के हेतु से ऋषि कन्याएँ डेपुट किया करते थे। वह अरण्य भी दिखाई नहीं दे रहा जहाँ हम वानप्रस्थ के लिए निकले थे और नश्वर देह का विसर्जन किया था।'

'हाँ देव, पहले वहाँ रिसोर्ट बना, अब एक चमचमाता मॉल बन गया है। जंबूद्वीप इतना विकसित तब हो गया होता तो हम वानप्रस्थ में जाते ही क्यों। फ़ाईवस्टार ओल्ड एज होम में जीवन का अंतिम समय गुजार लेते।'

विमर्श के दौरान देवों को अपने पूर्वलोक में चौड़ी होती जाती सड़क की निरंतर बहती धाराओं को अवलोकित कर गर्व की अनुभूति हो रही थी। मगर तभी, एक देव का कमल सदृश मुख मुरझाने लगा। वे बोले - 'सब कुछ अच्छा है मगर पर्यावरण लील लिए जाने का दुःख लग रहा है!'

'आपका भाग्य अच्छा है देव, आप यहाँ बैठकर पर्यावरण पर रंज प्रकट कर रहे हैं। जंबूद्वीप में करते तो टूलकिट उपयोग करने के आरोप में कारागार में डाल दिए जाते। बरसों नागरिकों ने चार फुटिया सड़क का अभिशाप झेला है, अब वे चार सौ बत्तीस लेन की सड़क आनंद उठा रहे हैं, और आप हैं कि पर्यावरण का रोना लेकर बैठ गए हैं।'

'तो क्या देव जंबूद्वीप के सभी नागरिकों ने ऐसा ही राष्ट्र चाहा था?'

'नहीं देव। एक्टिविस्ट का छोटा सा समूह था वहाँ, अर्बन नक्सली कहाता था। वो उन दीन-हीन मनुष्यों की पक्षधरता में खड़ा रहता जिनका जल, जंगल, जमीन सब छिनता चला जा रहा था। वो कभी जैव-विविधता की बात करता, कभी अल-नीनो की। विकास उसे सुहाता नहीं था। आंदोलनजीवी कहाता। वो घर और भूमि से बेदख़ल किए जाने वाले नागरिकों के लिए आंदोलन करता। धरती बचाने की पहल करते करते राजसत्ता से भिड़ जाता। लेकिन राज्य व्यवस्था के कर्ण पर कभी जूँ नाम का प्राणी रेंगा भी नहीं। विकास थमा नहीं देव, और थमेगा भी नहीं। चार हज़ार बत्तीस लेन की सड़क की डीपीआर रेडी है। जनसामान्य का मानस बना दिया गया है कि वे सड़क-निर्माण को ही विकास का पर्याय मान लें। जंबूद्वीप में वे ही नागरिक बचे रह पाएँगे जो विकास के संग-संग दौड़ लगा पाने के सक्षम हों, शेष तो बस...।'

अर्बन नक्सली टाईप के देव को छोड़कर शेष सभी ने जंबूद्वीप के अतिविकसित हो जाने पर गहरा संतोष व्यक्त किया और विमर्श को विराम देते हुए अपने अपने वैमनिकों में प्रस्थान कर गए।

आयोजन

अरुण कुमार डनायक

लेखक समाजसेवी हैं।

पंचशील, दलाई लामा और सीमा: इतिहास और वर्तमान विमर्श

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत को अपनी सीमाओं का निर्धारण स्वयं करना था। उनके अनुसार नेहरू पूर्व में मैकमोहन रेखा और लद्दाख क्षेत्र में दावों से अवगत थे, पर सीमाएँ स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं थीं, इसलिए संभवतः पंचशील समझौते की पहल की गई। 1954 में भारत ने तिब्बत को चीन का हिस्सा माना और यह मान लिया कि उत्तरी सीमा का प्रश्न सुलझ गया है, जबकि चीन ने इसे केवल व्यापारिक समझौता माना। उन्होंने सीमा (राजनीतिक रेखा) और सरहद (सभ्यतागत क्षेत्र) में अंतर स्पष्ट करते हुए उत्तराखंड की सामरिक महत्ता रेखांकित की। यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में भारत चीन के साथ संबंध सुधारने और सीमाई तनाव को शांति से प्रबंधित करने का प्रयास कर रहा है। अतः यह केवल ऐतिहासिक संदर्भ नहीं, बल्कि वर्तमान रणनीतिक संकेत भी है। 1949 में चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना और 1950-51 में तिब्बत में हुए सैन्य प्रवेश तथा उसके पश्चात हस्ताक्षरित सत्रह सूत्रीय समझौते के समय भारत नवस्वतंत्र, विभाजन की पीड़ा से जूझता और संसाधन-संकटग्रस्त राष्ट्र था। सेना पुनर्गठन में थी, रक्षा अवसंरचना सीमित थी, कश्मीर प्रश्न अंतरराष्ट्रीय मंच पर सक्रिय था। ऐसे में तिब्बत में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप भारत की क्षमता से बाहर था।

विगत 13 फरवरी को देहरादून के लोक भवन में 'भारत हिमालयन अंतर्राष्ट्रीय सामरिक मंच' के उद्घाटन अवसर पर भारत के रक्षा प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 'सीमांत क्षेत्र, सीमा-रेखाएँ और वास्तविक नियंत्रण रेखा का मध्य खंड' विषय पर व्याख्यान दिया। सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, पूर्व प्रशासकों और विश्लेषकों द्वारा गठित यह नवीन मंच स्वयं को हिमालयी भू-राजनीति, सीमा प्रबंधन और सामरिक नियोजन पर केंद्रित एक स्वतंत्र चिंतन मंच के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसका घोषित उद्देश्य सरकार को नीतिगत सुझाव देना तथा उत्तराखंड को रणनीतिक विमर्श का केंद्र बनाना है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत को अपनी सीमाओं का निर्धारण स्वयं करना था। उनके अनुसार नेहरू पूर्व में मैकमोहन रेखा और लद्दाख क्षेत्र में दावों से अवगत थे, पर सीमाएँ स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं थीं, इसलिए संभवतः पंचशील समझौते की पहल की गई। 1954 में भारत ने तिब्बत को चीन का हिस्सा माना और यह मान लिया कि उत्तरी सीमा का प्रश्न सुलझ गया है, जबकि चीन ने इसे केवल व्यापारिक समझौता माना। उन्होंने सीमा (राजनीतिक रेखा) और सरहद (सभ्यतागत क्षेत्र) में अंतर स्पष्ट करते हुए उत्तराखंड की सामरिक महत्ता रेखांकित की। यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में भारत चीन के साथ संबंध सुधारने और सीमाई तनाव को शांति से प्रबंधित करने का प्रयास कर रहा है। अतः यह केवल ऐतिहासिक संदर्भ नहीं, बल्कि वर्तमान रणनीतिक संकेत भी है। 1949 में चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना और 1950-51 में तिब्बत में हुए सैन्य प्रवेश तथा उसके पश्चात हस्ताक्षरित सत्रह सूत्रीय समझौते के समय भारत नवस्वतंत्र, विभाजन की पीड़ा से जूझता और संसाधन-संकटग्रस्त राष्ट्र था। सेना पुनर्गठन में थी, रक्षा अवसंरचना सीमित थी, कश्मीर प्रश्न अंतरराष्ट्रीय मंच पर सक्रिय था। ऐसे में तिब्बत में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप भारत की क्षमता से बाहर था।

1954 का पंचशील समझौता–परस्पर सम्मान, आक्रामकता न करना, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता व पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सहअस्तित्व–नवस्वतंत्र एशियाई राष्ट्रों के बीच स्थिरता का प्रयास था। भारत के सीमित विकल्प को ध्यान में रखते हुए नेहरूजी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन के वैध प्रतिनिधित्व की वकालत की। उस समय चीन का प्रतिनिधित्व फारमोसा (ताइवान) के पास था, पर वैश्विक राजनीति संकेत दे रही थी कि माओ के नेतृत्व वाला चीन अंततः मान्यता पाएगा। 1959 में दलाई लामा को भारत द्वारा शरण देना एक साहसिक, मानवीय और नैतिक निर्णय था, जिसने बीजिंग के साथ अविश्वास बढ़ाया, लेकिन भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बढ़ाया। लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में चीन द्वारा सड़क निर्माण, सीमा गश्त और परस्पर संदेह की गतिविधियाँ शुरू हो चुकी थीं, जो सीमावर्ती तनाव की पृष्ठभूमि तैयार कर रही थीं। चीन के साथ कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने में नेहरू की दूरदर्शी नीति के कारण 1950-1962 तक भारत प्रत्यक्ष युद्ध से बचा रहा और आंतरिक संस्थाओं, पंचवर्षीय योजनाओं तथा औद्योगिक आधार को सुदृढ़ करने का अवसर मिला। दलाई लामा को शरण देना भी भारत-चीन युद्ध का एक कारण बन गया, परंतु यह भी तथ्य है कि 1962 का युद्ध केवल पंचशील की विफलता का परिणाम नहीं था; जटिल परिस्थितियाँ और सामरिक सीमाएँ भी महत्वपूर्ण थीं। सैन्य नेतृत्व का मूल दायित्व राष्ट्रीय सुरक्षा, सामरिक तैयारी और संभावित खतरों का आकलन करना होता है। वह सीमाओं, संसाधनों और सैन्य संतुलन के आधार पर निर्णयों को देखता है।

इसके विपरीत, राजनीतिक नेतृत्व को वैश्विक कूटनीति, आर्थिक स्थिति, अंतरराष्ट्रीय दबाव, वैचारिक प्रतिबद्धताओं और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों का समेकित संतुलन साधना पड़ता है। यद्यपि सीडीएस ने कोई नया तथ्य नहीं रखा, उन्होंने 1954 के पंचशील समझौते का संदर्भ तो दिया, पर 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा हस्ताक्षरित संयुक्त घोषणा का उल्लेख नहीं किया, जिसमें भारत ने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र को औपचारिक रूप से जनवादी गणराज्य चीन का हिस्सा माना था। इससे स्पष्ट होता है कि तिब्बत नीति केवल नेहरू-युग की पहल नहीं, बल्कि विभिन्न सरकारों द्वारा समय-समय पर पुष्ट की गई कूटनीतिक निरंतरता का हिस्सा रही है। मीडिया के एक हिस्से ने इसे नेहरू की ऐतिहासिक त्रुटि के रूप में पेश किया, जिससे राजनीतिक अर्थ-निर्माण प्रारंभ हो गया। भारतीय लोकतंत्र में परंपरा रही है कि सैन्य नेतृत्व सार्वजनिक मंचों पर राजनीतिक विमर्श से दूरी बनाए रखे। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सेना का संस्थागत चरित्र दलगत राजनीति से दूर और तटस्थता पर आधारित है। ऐसी ऐतिहासिक व्याख्याओं से सहमति नहीं दी जा सकती जो तत्कालीन वैश्विक और सामरिक परिस्थितियों की जटिलताओं को नजरअंदाज कर केवल सरलीकृत आरोप प्रस्तुत करती हैं। लोकतांत्रिक शिष्टाचार के अनुसार इस तरह की टिप्पणियाँ अत्यंत सावधानी से की जानी चाहिए। कूटनीतिक निर्णयों की समीक्षा संसद और इतिहासकारों का क्षेत्र है, सेना का नहीं। पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल नरवणे की पुस्तक में चीन के संदर्भ में उठाए गए प्रश्नों ने वैचारिक बहस को जन्म दिया। संसद में विपक्ष ने नरवणे के हवाले से सरकार की निर्णय क्षमता पर सवाल उठाए, जिससे सरकार दबाव में है। ऐसा लगता है कि वक्तव्य से नरवणे-संबंधित नेरेटिव को संतुलित करने का प्रयास किया गया हो।

यद्यपि यह स्पष्ट नहीं कि सीडीएस का यह वक्तव्य केवल संस्थागत मंच पर दिया गया अकादमिक विश्लेषण था या वर्तमान नीति संकेत भी शामिल थे। अंतरराष्ट्रीय परंपराओं–विशेषतः अमेरिका और ब्रिटेन–में कार्यरत सैन्य अधिकारी सार्वजनिक राजनीतिक व्याख्याओं से प्रायः बचते हैं। दशकों बाद किसी सक्रिय सैन्य अधिकारी द्वारा ऐतिहासिक-नीतिगत निर्णयों पर टिप्पणी स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठाती है। भारतीय लोकतंत्र की परंपरा रही है कि कार्यरत सैन्य नेतृत्व राजनीतिक विमर्श से दूरी बनाए रखे, क्योंकि 'सशस्त्र बलों पर लोकतांत्रिक नागरिक नियंत्रण' केवल संवैधानिक सिद्धांत नहीं, बल्कि संस्थागत अनुशासन भी है। जनरल चौहान का वक्तव्य वर्तमान राजनीतिक विमर्श के संकेत के रूप में भी पढ़ा जा सकता है, जिससे सक्रिय सैन्य नेतृत्व की पारंपरिक विश्वसनीयता तथा पेशेवर तटस्थता पर सवाल उठता है। इतिहास की समीक्षा आवश्यक है, पर कूटनीतिक निर्णयों का मूल्यांकन संसद और इतिहासकारों का क्षेत्र माना जाता है। इतिहास का पुनर्मूल्यांकन वैध है, आलोचना और प्रशंसा दोनों हो सकती हैं; परंतु इसे वर्तमान राजनीतिक आख्यान का साधन बनाना जटिल वास्तविकताओं को सरलीकृत आरोप में बदल देता है। परंतु यदि इसे वर्तमान राजनीतिक आख्यान का साधन बनाया जाए, तो जटिल वास्तविकताओं को सरलीकृत आरोप में बदल दिया जाता है। हिमालयी सीमा केवल रेखा नहीं, सभ्यताओं के संपर्क का क्षेत्र है–जिसे समझने के लिए गंभीर विमर्श आवश्यक है। सेना सशक्त रहे, पर राजनीतिक विमर्श से ऊपर; यही लोकतंत्र की परिपक्वता है।

हमारी दुनिया

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं!

आस्था के पात्र खतरनाक मगरमच्छ

यहाँ के लोग मगरमच्छों के साथ तालाब में नहाते हैं और बच्चे उनकी पीठ पर बैठते हैं। ट्रैवलर जब स्थानीय नागरिकों से उनके इस रिश्ते के बारे में पूछते हैं तो वे बताते हैं कि यहां के ग्रामीणों का मानना है कि मगरमच्छ उनके पूर्वजों की आत्माएं हैं और गाँव की रक्षा करते हैं। जब किसी मगरमच्छ की मृत्यु होती है, तो उसे इंसानों की तरह सम्मान के साथ दफनाया जाता है। खासतौर से पश्चिम अफ्रीका के इस देश में साबू और बाज़ौले नामक गाँवों में यह दृश्य सहजता से देखा जा सकता है।

हम लोग इतना अवश्य जानते हैं कि मगरमच्छ जैसे खरनाक प्राणी की त्वचा (स्किन) मुख्य रूप से महंगे हैंडबैग, जूते, बेल्ट, वॉलेट और फर्नीचर जैसे लक्ज़री सामान बनाने के लिए उपयोग की जाती है। इनकी त्वचा बेहद टिकाऊ और कीमती होती है। मगरमच्छ के शरीर के अन्य अंगों (दांत, हड्डी) का उपयोग पारंपरिक वस्तुओं में किया जाता है लेकिन कुछ दिनों पहले जब हमने घुमक्कड़ और हमारे प्रिय यूट्यूबर दावूद अखुंदाज़ा के साथ पश्चिम अफ्रीका के बर्किना फासो देश के वीडियो को देखा तो मालूम हुआ कि जहां के लोग खतरनाक मगरमच्छों के साथ बहुत मित्रवत व्यवहार करते हैं।

यहाँ के लोग मगरमच्छों के साथ तालाब में नहाते हैं और बच्चे उनकी पीठ पर बैठते हैं। ट्रैवलर जब स्थानीय नागरिकों से उनके इस रिश्ते के बारे में पूछते हैं तो वे बताते हैं कि यहां के ग्रामीणों का मानना है कि मगरमच्छ उनके पूर्वजों की आत्माएं हैं और गाँव की रक्षा करते हैं। जब किसी मगरमच्छ की मृत्यु होती है, तो उसे इंसानों की तरह सम्मान के साथ दफनाया जाता है। खासतौर से पश्चिम अफ्रीका के इस देश में साबू और बाज़ौले नामक गाँवों में यह दृश्य सहजता से देखा जा सकता है।

आइए पहले थोड़ा इस खतरनाक प्राणी के बारे में जान लें। मगरमच्छ बड़े, अर्द्ध-जलीय सरीसृप हैं जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की नदियों और झीलों में पाए जाते हैं। ये मांसाहारी होते हैं और इनका काटना सबसे मजबूत होता है। खारे पानी के मगरमच्छ सबसे बड़े होते हैं, जो 7 मीटर से अधिक लंबे हो सकते हैं। ये ठंडे खून वाले, अत्यधिक शिकारी होते हैं जो डायनासोर के करीबी रिश्तेदार माने जा सकते हैं। मगरमच्छ अधिकतर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां ये पानी में रहने के साथ-साथ धूप सेंकने के लिए किनारे पर भी आते हैं। इनके पास मोटी, पपड़ीदार त्वचा, शक्तिशाली जबड़े और 60-100 से अधिक शंक्वाकार दांत होते हैं। ये कुशल शिकारी होते हैं जो मछली, स्तनधारी, पक्षी और कछुए खाते हैं। पानी में अपने शिकार को घेरकर या छिपकर घात लगाकर हमला करते हैं। मादा मगरमच्छ छेद या टीलों में अंडे देती हैं। बच्चों के निकलने के बाद, वे लगभग एक साल तक उनकी रक्षा करती हैं। मगरमच्छों की लगभग 20 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। सबसे बड़ा 'खारे पानी का मगरमच्छ' है, जबकि 'बौना मगरमच्छ' सबसे छोटा होता है। ये लगभग 50-80 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं। यह माना जाता है कि ये पूर्व-ऐतिहासिक काल के डायनासोरनुमा प्राणियों की अंतिम जीवित कड़ी हैं, जिन्हें 'जीवित जीवाश्म' भी कहा जाता है।

घाना और बुर्किना फासो सहित मगरमच्छ को दुनिया के कई हिस्सों में केवल एक खतरनाक शिकारी ही नहीं, बल्कि शक्ति, उर्वरता और सुरक्षा का प्रतीक माना गया है। प्राचीन सभ्यताओं से लेकर आज के कुछ आधुनिक समुदायों तक, इसकी पूजा की परंपरा रही है। विश्व में मगरमच्छ की पूजा को लेकर बहुत सारे तथ्य और दिलचस्प जानकारियां मिलती हैं। प्राचीन मिस्रवासी 'सोबेक' नामक देवता की पूजा करते थे, जिनका सिर मगरमच्छ का और शरीर इंसान का था।उन्हें नील नदी का रक्षक और प्रजनन क्षमता का देवता माना जाता था। कोम ओम्बो में सोबेक का एक विशाल मंदिर है। वहाँ मगरमच्छों को पालतू बनाकर रखा जाता था और उनकी मृत्यु के बाद उन्हें ममी बनाकर सम्मान के साथ दफनाया जाता था। भारत के कुछ हिस्सों में मगरमच्छों के गहरे धार्मिक जुड़ाव के बारे में भी संदर्भ मिलते हैं। गुजरात के कई समुदायों में 'खोदियार माता' की पूजा होती है, जिनका वाहन मगरमच्छ है। वहाँ मगरमच्छ को पवित्र माना जाता है और उसे नुकसान पहुँचाना पाप माना है। पाकिस्तान और भारत सीमा पर कराची (पाकिस्तान) में 'मगर पीर' नाम की एक दरगाह है जहाँ मगरमच्छों को सूफी संत का आशीर्वाद प्राप्त माना जाता है। श्रद्धालु उन्हें बड़े चाव से खाना खिलाते हैं। केरल के 'अन्नतपुरा झील मंदिर' में 'बब्बरिया' नाम का एक शाकाहारी मगरमच्छ प्रसिद्ध था (जिसकी हाल ही में मृत्यु हुई), जिसे मंदिर का रक्षक माना जाता था। पापुआ न्यू गिनी की सेपिक नदी (Sepik River) के किनारे रहने वाली जनजातियों में मगरमच्छ का स्थान सर्वोपरि है। यहाँ के लोग मानते हैं कि उनके पूर्वज पुरुष मगरमच्छ थे। युवाओं के शरीर पर विशेष रूप से पीठ पर ऐसे निशान बनाए जाते हैं जो मगरमच्छ की खाल जैसे दिखें। यह उनके वयस्क होने की एक महत्वपूर्ण और पवित्र रस्म है।माया और एज़्टेक सभ्यता (मेक्सिको) की प्राचीन सभ्यताओं में मगरमच्छ को 'पृथ्वी का आधार' माना जाता था। उनके कैलेंडर और निर्माण की कहानियों में मगरमच्छ का विशेष महत्व है। तिमोर-लेस्ते (Timor-Leste) देश के लोग अपने द्वीप के आकार को एक सोए हुए मगरमच्छ जैसा मानते हैं और उसे 'दादा' कहकर पुकारते हैं। मगरमच्छों की पूजा करने का तरीका भले ही अलग अलग समुदायों में भिन्न हो किंतु यह अवश्य है कि उनके प्रति बहुत से समुदायों में बहुत सम्मान व्यक्त किया जाता है। कुछ लोग मंदिर बनाकर या मूर्तियों के रूप में पूजा करते हैं। कुछ समुदायों में जीवित मगरमच्छों को पवित्र मानकर उन्हें विशेष भोजन (मांस, मुर्गे आदि) अर्पित किया जाता है। टोटम जैसी कई जनजातियाँ इसे अपना कुल-देवता मानती हैं और मगरमच्छों का शिकार वर्जित होता है। ये संस्कृतियाँ मगरमच्छों को उनके खतरों के बावजूद सम्मानित करती हैं, जिससे उनके प्रति डर को आस्था में बदला जा सके।

विश्व राजनीति

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

क्या शबाना महमूद ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनेंगी?

वह सुदर्शना है। सुशिक्षिता है। युवा और अनुभवी हैं। तत्पर और प्रत्युत्पन्नमति हैं। संसद और बाहर वह मुखर है। कलुष के बेदब दौर में उनकी छवि बेदाग और उजली है। इतनी खूबियों से सुसज्ज शबाना महमूद इन दिनों सुर्खियों में हैं। संप्रति वह ब्रिटेन की सेक्रेट्री फार द होम यानि गृहमंत्री है। एप्सटीन फाइल्स के जेरे-बहस दौर में इस आशय की अटकलों का सब्जा दरो-दीवार और मुंडेरों पर उग आया है कि क्या वह ब्रिटेन की प्रधानमंत्री होंगी। फिलहाल उनके और प्रधानमंत्री पद के दरम्यान एक सोपान का फासला है। यदि वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वह एशियाई मूल की दूसरी और मुस्लिम संप्रदाय की पहली महिला होंगी। गौरतलब है कि भारतीय मूल के ऋषि सूनक इसके पूर्व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके है, जबकि शबाना पाकिस्तानी मूल की नेत्री है।

लोकतंत्र के जनक ब्रिटेन में इन दिनों कुख्यात एप्सटीन फाइल्स को लेकर बावेला मचा हुआ है। कई राजनेता पद त्याग को बाध्य हुये हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यदि दबाव अधिक बढ़ा तो मजबूरन उन्हें इस्तीफा देना पड़ सकता है। इस कयास के मद्देनजर शबाना महमूद के पीएम बनने की संभावना प्रबल है। 45 वर्षीया शबाना सत्तारुढ़ ब्रिटिश लेबर पार्टी की सदस्या और बैरिस्टर हैं। वह पहले पहल सन 2010 में मई के आमचुनाव में बर्मिंघम लेडीवुड से एमपी चुनी गयी थीं। तदंतर वह चुनावों में लगातार विजयी हुई। जीत की हैटट्रिक बना चुकी शबाना ब्रिटिश लेबर पार्टी की अग्रणी नेताओं में शुमार हैं। सन 2024-25 में सेकेट्री फार जस्टिस यानि न्यायमंत्री रहने के बाद गत वर्ष उन्हें गृह जैसा महत्वपूर्ण महकमा सौंपा गया।

17 सितंबर, सन 1980 को बर्मिंघम में जनमी शबाना के परिवार की जड़े पाकअधिकृत काशमीर में मीरपुर में है। माँ जुनेदा और पिता महमूद अहमद की संतान शबाना के दो भाई और एक बहन है। अनमें एक उनका जुड़वा भाई है। सन 1981 से 1986 तक वह परिवार के साथ सऊदी अरब तैफ में रहीं जहां उनके पिता सिविल इंजीनियर थे।

उसके बाद परिवार बर्मिंघम चला आया। पिता जहाँ लेबर गर्टी से जुड़ गये, वहीं मां स्वयं की सुविधा-शॉप का संचालन करने लगीं 11वीं कक्षा में अनुतीर्ण रहने पर वह स्माल हीथ स्कूल और किंग एडवर्ड षष्टम कैंप हिल स्कूल में पढ़ीं। अंततः उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अंतर्गत लिंकन कॉलेज से कानून में उपाधि हासिल की। पूर्व पीएम ऋषि सूनक कॉलेज में उनसे एक दर्जा आगे थे और शबाना जूनियर कॉमन रूम के चुनाव में ऋषि ने उन्हें वोट देने का वायदा किया था।

युवा शबाना बर्मिंघम में पिता के राजनीतिक कार्यों में हाथ तो बंटाती थीं, अलबत्ता उनकी ख्वाहिश थी कि वह बैरिस्टर बने। उनकी यह ख्वाहिश पूरी हुई। सन् 2010 में जब निवर्तमान सांसद क्लेयर शार्ट ने बर्मिंघम से चुनाव लड़ने की अनिच्छा व्यक्त की तो शबाना ने दावेदारी की होड़ में याई मॉर्स्क्टो को पीछे छोड़ दिया। इस द्वन्द ने इलाके में जातीय धड़ेवाजी को को बढ़ावा दिया, वह फिलिस्तीन समर्थक और इस्रायली उत्पादों के बहिष्कार की हिमायती नेत्री के तौर पर उभरीं। विवाद होने पर उन्होंने सतर्कतापूर्वक अपने पाँव पीछे खींच लिये, लेकिन इसने उनकी छवि जियोनिज्म (यहूदीवाद) विरोध की बना दी। वह इस्लाम में गहरी आस्था के लिये भी जानी गयीं और उन्होंने इसे कभी छुपाया नहीं। शबाना, रोशनआरा अली और यास्मीन कुरैशी की तिकड़ी ने बीते दशक में खासी शोहरत कमाई। लेबर नेता जेरेमी कार्बिन्स से मतभेदो को उन्होंने कभी छिपाया नहीं और साहसपूर्वक दायित्व संभालने की पेशकशों को ठुकरा दिया। बहरहाल, सितंबर 2023 में कीर स्टार्मर ने उन्हें शैडो सेक्रेट्री बनाया। सन 2024 के आम चुनाव में उनका मुकाबला निर्दलीय अखमेद याकूब से हुआ, लेकिन वह विजयी रहीं। जुलाई, 2024 उनके लिये नेमत लेकर आई, जब स्टार्मर ने उन्हें न्याय सचिव और लार्ड चांसलर बनाया। इस ओहदे को संभालने वाली वह तीसरी महिला और पहली मुस्लिम थीं। शबाना दो टूक कहती हैं कि इस्लाम उनका अपना धर्म है और अन्य इस्लाम धर्मावलंबियों की भांति उनके जीवन में आस्था महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। यह तत्व उनके समस्त कार्यों का प्रेरक है। अवैध आव्रजन को लेकर शबाना की भावभंगिमा कठोर है और वह अवैध आव्रजकों और दंगाइयों से कठोरता से निपटने में यकीन रखती हैं। उन्हें ब्रिटिश लेबर पार्टी के अनुदार नीले (ब्लू) धड़े की मेंबर के तौर पर देखा और जाना जाता है। एप्सटीन फाइल्स के नामों के उजागर होने के बाद जिस तरह परिस्थितियां बदल रही है, उनसे यह कयास लगाया जा रहा है कि शबाना कल ब्रिटेन की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री हो सकती है।

आनंदोत्सव

'एआई' मानव सभ्यता के लिए वरदान और खतरा दोनों है...'

इंदौर। शहर की प्रतिष्ठित महाराष्ट्र साहित्य सभा का 64वां तीन दिनी शारदोत्सव बौद्धिक एवं कलात्मक आयोजन के साथ सम्पन्न हुआ। शारदोत्सव के अंतिम दिन 'मानव प्रतिभा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषय पर गंभीर और प्रेरक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि अब एआई का प्रवेश जीवन के हर क्षेत्र में होने जा रहा है। इसके कई लाभ हैं तो कुछ खतरे भी हैं, जिनमें रोजगारों का सिमटना प्रमुख है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमे अभी से कदम उठाने होंगे। नया एआई और रोबोटिक समाज कैसा होगा, इस पर चिंतन जरूरी है। अंतिम दिन साहित्य सभा द्वारा आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं के पुरस्कारों का वितरण भी हुआ। इसके पूर्व शारदोत्सव का शुभारंभ वंदे मातरम् गीत के अभिवाचन के साथ हुआ। दूसरे दिन सुमधुर कीर्तन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

परिचर्चा में बोलते हुए वक्तागण

विभिन्न स्पर्धा के पुरस्कृत विजेता

साहित्य सभा के प्रचार प्रमुख मृगेन गदेवाडीकर ने बताया कि कार्यक्रम का अंतिम सत्र बौद्धिक चेतना से भरपूर था। जाल सभागृह में ठाणे महाराष्ट्र से पधारे मीडिया तथा प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. उदय निरगुडकर की अध्यक्षता में परिचर्चा का आयोजन हुआ। विषय था अक्षर संवादः मानवी प्रतिभा आणि मशीनी बुद्धिमत्ता। ' इस विषय पर बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं दै। 'सुबह सवेरे' के कार्यकारी प्रधान संपादक अजय बोकिल ने कहा कि पत्रकारिता और खासकर प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में भी एआई का प्रयोग हो रहा है। इटली में पहले एआई जनरेटेड दैनिक अखबार का प्रकाशन प्रारंभ हो चुका है। लेकिन यह अखबार सूचना सम्पन्न होते हुए भी विचार विहीन है। इसका समाज पर क्या असर होगा, यह हमे देखना होगा। दूसरे वक्ता एवं रंगकर्मी सागर शेंडे ने कहा कि ए.आई.का उपयोग कर नाटक के मंचन में आसानी हुई है। शोधकर्ता लेखक के लिए यह बहुत सहायक हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. उदय निरगुडकर ने कहा कि एआई को लेकर अपडेट रहना समय की मांग है। लेकिन हमे इसके खतरों और इसके विकास के पीछे काम कर रही ताकतों और उनके मकसद को भी समझना होगा। परिचर्चा का संचालन सुश्री अंतरा करवदे ने किया। समापन दिवस की शाम को पुरस्कार वितरण का आयोजन हुआ। इंदौर के लगभग 10 केन्द्रों पर आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं के संयोजकों एवं केंद्र प्रमुख एवं केंद्र सहायकों का सम्मान अतिथि संभागायुक्त सुदाम खाड़े एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे ने किया। तत्पश्चात ख्यातनाम संगीतकार श्रीनिवास खळे के जन्मशताब्दी वर्ष निमित्त उनकी रचनाओं पर केन्द्रित 'स्वरश्री' सुश्राव्य आनंद तरंग की प्रस्तुति दी गई। यह प्रस्तुति स्वरदा गोडबोले, ऋषिकेश बडवे एवं धवल चांदवडकर ने दी। संकल्पना व निवेदन पराग माटेगांवकर का था। वादक कलाकारों में अमृता ठाकुर देसाई (की बोर्ड) विशाल गंड्रतवार (तबला) अभिजीत भदे (ऑक्टोपैड) एवं पराग माटेगांवकर (हारमोनियम) पर कुशल संगत प्रदान की। इस आयोजन के पश्चात तीन दिवसीय शारदोत्सव के मुख्य आयोजन का समापन हुआ। संचालन मानसी तराणेकर, मिलिंद देशपांडे ने किया। आभार विनीता धर्म ने माना।

गुणीजनों का सम्मान व वंदे मातरम्

शारदोत्सव के दूसरे दिन गुणीजनों का सम्मान तथा वंदे मातरम् 150 अभिवाचन सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि इंदौर के सांसद शंकर लालवानी थी। अध्यक्षता डॉ. उदय निरगुडकर ने की। मंच पर विश्वस्त न्यायमूर्ति सुभाष संवत्सर, मिलिंद महाजन, अश्विन खरे,सचिव विनीता मौजूद थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डा. निरगुडकर ने कहा कि इस प्राचीन संस्था के साहित्यक समागम शारदोत्सव में भाग लेकर मैं अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। नित नया साहित्य वाचन एवं लेखन साहित्यकार को और अधिक परिष्कृत करता है। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि अर्जित करने गुणीजनों का साहित्य सभा की ओर से सम्मान किया गया। इनमें राजन रानडे (समाज सेवा), श्रीमती हेमलता ताम्हणे (उद्योजक), आशुतोष भागवत (क्रीड़ा क्षेत्र) एवं आशीष कट्टी (सामाजिक क्षेत्र) शामिल है। साथ ही सरवटे साहित्य पुरस्कार के से साहित्यकार राधिका इंगले को पुरस्कृत किया गया। इसके पश्चात वंदे मातरम् गान के 150 वर्ष पूर्ण होने पर ओजस्वी काव्य का ऐतिहासिक दृश्य-श्रव्य अभिवाचन 'वंदेमातरम् 150' की प्रस्तुति पुणे से पधारे समूह द्वारा दी गई। वंदे मातरम् इतिहास की ऐसी अनूठी प्रस्तुति श्रोताओं को अभिभूत कर गई। पूरा सभागृह 'भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् जय घोष से गूंज उठा। इस अभिवाचन के लेखक मिलिंद सबनीस,निर्देशक प्रसाद कुलकर्णी हैं। संगीत अजय पराड व दृश्य संकलन महेश लिमये ने दिया है। अभिवाचन प्रस्तुति अभिषेक खेड़कर,चारुलता पाटणकर, प्रदीप फाटक ने भावपूर्ण तरीके से की। संचालन स्मिता देशमुख एवं आभार प्रफुल्ल कस्तूरे ने माना।

शारदोत्सव के पहले दिन इसका शुभारंभ जाल सभागृह में मुख्य अतिथि प्रिंस रिचर्ड होलकर एवं विशेष अतिथि अशोक चितले ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर साहित्य सभा के विश्वस्त मिलिंद महाजन,प्रदीप चौधरी,अश्विन खरे,विनीता धर्म उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र में माय मराठी गीत गुरुषा दुबे ने एवं स्वागत भाषण अश्विन खरे ने दिया। प्रफुल्ल कस्तूरे, रंजना ठाकुर, अशोक आमनापुरकर के साथ समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात 'कीर्तन रंग' की अप्रतिम प्रस्तुति दी गई। सभागृह श्री हरि विठ्ठल जय हरि विठ्ठल के घोष से गूंज उठा। इसमें में महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संतों द्वारा रचित अभंग,भक्तिरस से ओतप्रोत भजनों का सुमधुर गायन हुआ। भक्तिगीतों का उत्तम निरूपण ख्यात भक्ति गीत गायक अभय माणके ने किया। कीर्तन रंग आयोजन में कुल 10 समूहों आजाद भजनी मंडल, श्रीकृपा, रेडियो कॉलोनी भजनी मंडल, स्वराली, हनुमान, प्रचिती, स्वर संध्या, दत्त मंदिर, स्वराई एवं गीताजंली भजनी मंडल के कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं।

सभागृह में लोकसभा की पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन की गरिमामय उपस्थिति रही। गीत प्रस्तुति में गुणवंत इंगले, राजेंद्र जोशी, धवल परिहार, प्रखर विजयवर्गीय ने कुशल संगत प्रदान की। संचालन संगीता नामजोशी ने व आभार विनीता धर्म ने माना।

जनगणना कार्य से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने जानी

जिला जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर की अध्यक्षता में जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण

धार। प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण स्तरीय प्रशिक्षण मंगलवार को कलेक्टर सभागृह में आयोजित किया गया। कलेक्टर द्वारा जनगणना संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये। साथ ही सभी जनगणना चार्ज अधिकारियों को जनगणना के डाटा संकलन का महत्व बताया गया। जिसमें शासन स्तर पर जो पूर्व डाटा संकलित किया गया है, वह त्रुटिपूर्ण होने से वास्तविितक स्थिति का आकलन करने में योजना बनाने में ग्राम से लेकर विकास खण्ड, तहसील और जिला स्तर पर कठिनाई आती है।

प्रशिक्षण में भोपाल से आये प्रशिक्षक सुरज बडगे एवं हुकुमचंद परवते द्वारा जनगणना कार्यों की बारीकियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में बताया गया कि जिले में दो चरणों में जनगणना का कार्य होगा। पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 के मध्य किया जाएगा। जिसमें मकान का सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जायेगा। वहीं द्वितीय चरण का कार्य फरवरी 2027 में संपन्न होना है। इस बार जनगणना का कार्य डिजिटल रूप से मोबाइल एप के माध्यम से आंकड़ों का संकलन कर किया जायेगा,

जो भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इस बार नागरिकों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाईन भरने की सुविधा के लिये स्व गणना वेब पोर्टल विकसित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ-साथ अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी अधिकारियों को दी गई। साथ ही, जनगणना कार्य के दौरान संभावित समस्याओं और प्रश्नों पर प्रतिभागियों से चर्चा की गई। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों की समस्याओं का समाधान भी किया गया।

भारत की जनगणना, भारत के लोगों की विभिन्न विशेषताओं पर सांख्यिकीय जानकारी का सबसे बड़ा एकल स्रोत है। भारत की जनगणना को दुनिया के सबसे बड़े प्रशासनिक कार्यों में से एक माना जाता है। आगामी जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी जो वर्ष 1872 से 16 वीं एवं स्वतंत्रता के बाद की 8 वीं जनगणना होगी। पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी। जनगणना 2027 में स्व.गणना पोर्टल, मोबाइल एप के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जायेगा। इसी क्रम में मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रिएटर वेब पोर्टल के माध्यम से मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन किया जायेगा। जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली वेब पोर्टल के माध्यम से मैनेजमेंट एवं मॉनिटरिंग की जाएगी।

इस दौरान जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जनगणना लिपिक, नगर जनगणना अधिकारी, चार्ज अधिकार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय विधायक कार्यालय में वीबी जी राम जी को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

सोहागपुर। क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह के स्थानीय कार्यालय में ग्राम बिछुआ में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक 2025 वीसी जी रामजी को लेकर भारतीय जनता पार्टी की बैठक ब्लाक भाजपा अध्यक्ष अश्विन सरोज के आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक में कई वक्ताओं ने अपने प्रशिक्षण एवं सरकारी सहायता योजनाओं से जोड़ने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा जब ग्रामीण क्षेत्र आर्थिक रूप से मजबूत होंगे और हर परिवार को सम्मानजनक रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। भाजपा ब्लाक अध्यक्ष ने कहा कि संगठन का दायित्व केवल

अपने विचार रखते कहा कि योजना का वास्तविक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करना, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य को लेकर आयोजित की गई थी। जिसमें वीं बीजी राम जी योजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते कहा कि इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना, कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना, लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करना तथा महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि ग्राम स्तर पर सर्वे कर पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार करके उनको योजना से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से करें। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि ग्रामों में जागरूकता अभियान चलाकर योजना की जानकारी घर-घर तक पहुंचाई जाएगी। युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना भी है। ग्राम बिछुआ में लंबे अरसे से खराब पड़ी नल-जल योजना की मोटर को लेकर चिंता व्यक्त करते संबंधित विभाग को तत्काल सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। ताकि ग्रामीणों को नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। आपने अंत में कहा कि ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं का समाधान संगठन की प्राथमिकता है।बैठक का समापन 'आत्मनिर्भर ग्राम - सशक्त भारत' के संकल्प के साथ किया गया तथा सभी कार्यकर्ताओं ने योजना को सफल बनाने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान किया गया। इस अवसर जिला सहसंयोजक भगवानसिंह पटेल, मंडल प्रभारी अभिनव पालीवाल, तुलसीराम भलावी, कंछेदी उईके, योगेश, राजेंद्र उईके, राकेश कुमार, सुन्दर पुनाराम, टेकराम, विजेंद्र धुर्वे, जितेंद्र टेकराम, विष्णु प्रसाद, राजाराम धुर्वे एवं गौरव धनसिंह आदि उपस्थिति थे।

बदबू से परेशान लोगों ने किया चक्काजाम, कचरा वाहनों को ट्रेंचिंग ग्राउंड जाने से रोका, प्रशासन ने मांगा 15 दिन का समय

बैतूल। शहर के गौठाना इलाके में ट्रेंचिंग ग्राउंड से उठ रही बदबू और दूषित पानी से परेशान रहवासियों ने कचरा फेंकने जा रहे वाहनों को रोककर चक्काजाम कर दिया है। लोगों ने ट्रेचिंग ग्राउंड जाने वाले रास्ते को बंद कर विरोध प्रदर्शन किया। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि जब तक कचरा पूरी तरह नहीं हटाया जाता और समस्या का समाधान नहीं होता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सूचना मिलते ही एसडीएम, तहसीलदार, नपा सीएमओ और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाइश दी। लोगों का आरोप है कि पूरे शहर का कचरा गौठाना में डाला जा रहा है, जिससे लगातार बदबू फैल रही है और पानी दूषित हो गया है। कचरे में सड़ांध के कारण मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियां बढ़ रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि बदबू और दूषित हवा से बच्चों और बुजुर्गों की तबीयत खराब हो रही है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन को 15 दिनों में समस्या का समाधान नहीं होने पर दोबारा चक्काजाम किये जाने की चेतावनी दी है। लोगों की मांग है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड से कचरे की निकासी, बदबू और जल प्रदूषण की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। जब तक दूषित पानी की निकासी नहीं होती और कचरा नहीं हटता, वे पीछे नहीं हटेंगे। बता दे कि नगरपालिका का ट्रेचिंग ग्राउंड रानीपुर रोड गौठाना में स्थित है। पहले यहां आसपास ज्यादा मकान नहीं थे, लेकिन अब आबादी बढ़ने के साथ-साथ मकानों का भी निर्माण हो गया है। ऐसे में हवा चलने पर ट्रेचिंग ग्राउंड से उठने वाली दुर्गंध और कचरा उडक़र लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। रहवासी बताते है कि कचरे की दुर्गंध के कारण लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो गया है।

पहले भी कई बार कर चुके हैं प्रदर्शन- ट्रेंचिंग ग्राउंड को गौठाना से अन्यत्र शिफ्ट करने के लिए पहले भी, कई बार लोग इसी तरह चक्काजाम कर चुके है, लेकिन अभी तक न तो ट्रेचिंग ग्राउंड से पूरी तरह कचरा हटाया जा सका है और न ही ट्रेचिंग ग्राउंड को शिफ्ट करने के लिए कोई ठोस प्लानिंग पर नगरपालिका ने काम किया है। ऐसे में वर्षो तक यह कचरा दबा होने और अब इसे हटाते ही तेज दुर्गंध उठ रही है। यहां तक कि कचरा हटाने के दौरान दुर्गंध को कम करने केमिकल्स भी नहीं डाला जा रहा है। लोगों ने बताया कि यहां रहने वाले परिवारों को दुर्गंध से बचने के लिए मुंह पर कपड़ा बांधकर रहना पड़ता है। रात में सोना तक मुश्किल हो रहा है। लेकिन नगरपालिका लोगों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं दे रही है। जिससे लोगों में नाराजगी बनी हुई है।

15 दिनों को अल्टीमेटम, समाधान नहीं होने पर फिर चक्काजाम- रहवासियों ने चेतावनी दी है कि जब तक कचरा पूरी तरह नहीं हटाया जाता और समस्या का समाधान नहीं होता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस संबंध में नपा सीएमओ सतीश मटसेनिया ने बताया कि लोगों का कहना है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरा नहीं आना चाहिए। लोगों ने 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। इन 15 दिनों में उचित समाधान नहीं होने पर पुनः चक्काजाम की चेतावनी दी है। फिलहाल इस मामले को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष को पत्र लिखा गया है। जिसमें परिषद की बैठक बुलाकर उक्त मामले के संबंध में उचित निर्णय लिये जाने की बात कही है। गौरतलब रहे कि नगरपालिका ने कुछ साल पहले ग्राम कढ़ाई के पास ट्रेंचिंग ग्राउंड शिफ्ट करने की योजना बनाई थी, लेकिन यह योजना सफल नहीं हो पाई। यहां भी ट्रेंचिंग ग्राउंड शिफ्ट किये जाने को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। जिसके बाद यह योजना भी ठंडे बस्ते में चली गई।

प्रतिदिन निकलता है सैकड़ों टन कचरा- नगरपालिका द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहित किया जाता है। एक अनुमान से शहर के 33 वार्डो से लगभग प्रतिदिन 30 से 40 टन कचरा निकल जाता है और इस कचरे को शहर के समीप स्थित गौठाना के ट्रेंचिंग ग्राउंड में जमा किया जाता है। वर्षो तक कचरा एकत्रित किये जाने से यहां कचरे का ढेर लग गया था। लोगों का कहना है कि पूरे शहर में बदबू को दूर करने के लिए कचरे और यहां तक की नालियों में भी बीएचसी यानी गैमेक्सीन का पाउडर समेत अन्य छिड़काव करती है। लेकिन यहां पर चूंकि यह ठेका कंपनी को दिया है, इसलिए नपा किसी तरह का छिडकाव नहीं कर रही है।

एक वर्ष में सतपुड़ा गुरुकुलम कोचिंग का उत्कृष्ट परिणाम

आस्था जायसवाल ने जे.ई.ई.–मेंस 2026 में प्राप्त किए 99.25 पर्सेंटाइल

बैतूल। डागा ग्रुप द्वारा संचालित जिले की अग्रणी कोचिंग संस्था सतपुड़ा गुरुकुलम के विद्यार्थियों ने एनटीए द्वारा घोषित जे.ई.ई.-मेंस सेशन-1 (2026) के परिणामों में बैतूल जिले को गौरवान्वित किया। सतपुड़ा गुरुकुलम की छात्रा कुमारी आस्था जायसवाल पिता संदीप जायसवाल ने 99.25 पर्सेंटाइल प्राप्त कर जिले में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में संस्था के छात्र-छात्राओं ओम दभाके पिता कैलाश दभाके, एंजेल मानकर पिता तरुण मानकर, अनन्या मानकर पिता दिनेश मानकर, स्वप्निल जायसवाल पिता सुनील जायसवाल, सुमेधा सुनारिया पिता सुनील सुनारिया, प्रतीक विजयकर पिता शैलेन्द्र विजयकर, दर्शित नावांगे पिता लीलाधर नावांगे, तनिष्का पानकर पिता विजय कुमार पानकर एवं हर्ष भूमरकर पिता अशोक कुमार भूमरकर ने भी उत्कृष्ट परिणाम हासिल कर सम्पूर्ण सतपुड़ा परिवार को गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर संस्था की डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा द्वारा अपने संबोधन में कहा कि, जब हम सब हम बनकर कार्य करते हैं, तो टीम हमेशा कमाल करती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बैतूल के विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य एवं श्रेष्ठ परिणाम संस्था की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेंगे। ज्ञात हो कि सतपुड़ा गुरुकुलम कोचिंग संस्था

की स्थापना 28 अप्रैल 2025 को डागा परिवार द्वारा उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के संकल्प के साथ की गई थी। अल्प समय में ही यह संकल्प साकार होता हुआ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जो संस्था की प्रतिबद्धता, समर्पण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रणाली का प्रमाण है। गुरुकुलम कोचिंग के संचालक धीरज सिंह ने संस्था पर विश्वास बनाए रखने के लिए पालकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों की इस सफलता पर सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती ऋतु बाजपेयी, प्रबंधक अभिषेक तिवारी, गुरुकुलम कोचिंग क्लासेस से विमल पटेल, कृष्ण मोहन शर्मा, अजीत सिंह, प्रदीप सोनी, सूरज मिश्रा, पुनीत बरमासे, अक्षत मिश्रा, श्रीमती अनीता सिंह, विक्रांत वर्मा एवं पलक सातनकर ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अंतिम विदाई में भी परोपकार : सेवाधाम आश्रम के कर्मयोगी का देहदान, समाज के लिए बने मिसाल

देवास। मानवता की सेवा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आज देवास का अमलतास मेडिकल कॉलेज एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना। सेवाधाम आश्रम (अंकितग्राम) में निवासरत देहदान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी (मीसाबंदी) 73 वर्षीय देवव्रत चौधरी का देहदान संकल्प मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ पूर्ण हुआ।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार, देहदानियों को सर्वोच्च सम्मान देने के लिए अमलतास मेडिकल कॉलेज परिसर में पुलिस विभाग की टुकड़ी द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया गया। इस भावुक क्षण के दौरान वहां उपस्थित पुलिस बल, कॉलेज डीन डॉ.ए.के. पिठावा,एनाटॉमी विभाग के हेड डॉ. करखायले एम. एल, मेडिकल छात्र, डॉक्टर्स और परिजनों ने नम आंखों से इस महान आत्मा को अंतिम विदाई दी।

यह पुनीत कार्य सेवाधाम आश्रम, ग्राम अम्बोदिया (उज्जैन) के संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल के विशेष प्रयासों से संपन्न हुआ। गोयल जी ने बताया कि आयुष विभाग के निर्देशों और मृतकों की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए यह देहदान किया गया है। उन्होंने कहा, 'यह देहदान न केवल चिकित्सा जगत के शोध में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भविष्य के डॉक्टरों को मानव शरीर की जटिलताओं को समझने में भी मदद करेगा।'

अमलतास कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. पीठवा द्वारा संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल जी को सम्मान पत्र भेट किया गया देहदान अधिकारी, श्री गजानंद चौहान, ने देहदान की प्रक्रिया की जानकारी दी और इसे संपन्न कराया। अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय ने श्री सुधीर भाई गोयल जी के प्रति ह्रदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज को ऐसे महान कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति अपनी देह दान करता है, तो वह समाज को जीवन देने वाले नए डॉक्टरों के निर्माण में अपना सर्वोच्च योगदान देता है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर के निर्देशानुसार अवैध खनिजों के परिवहन पर की गई प्रभावी कार्रवाई

- खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम ने जब्त किए 04 ट्रैक्टर-ट्राली

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिजों के उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधनी एवं रेहटी क्षेत्र अंतर्गत खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा अवैध रेत का परिवहन करते हुए 04 टेक्टर-ट्राली जब्त कर भैरूंदा थाने की अभिरक्षा में रखा गया है। जिला खनिज अधिकारी श्री धर्मेंद चौहान बताया कि जब्त किए गए वाहनों पर खनिज नियमों एवं प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया सीहोर जिला जेल का निरीक्षण

- किसी भी बंदी के साथ न हो जाति आधारित भेदभाव : प्रधान जिला न्यायाधीश

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने सीहोर जिला जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया तथा जेल में बंदियों से जाति आधारित भेदभाव या इस प्रकार की भेदभावपूर्ण प्रथाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य ने सभी संबंधितों को निर्देश दिए कि जेल में किसी भी बंदी के साथ जाति आधारित भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही विधिक सहायता से अधिवक्ता नियुक्ति, अपील प्रस्तुति, जमानत आवेदन प्रस्तुति, जमानत के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों, सजा पूरी होने के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने बंदियों की समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान बंदियो को उनके अधिकारों और विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स श्री शरद जोशी, श्री राजेन्द्र कुमार कुशवाह, श्री आसिफ खान, कु. एकता सेन एवं जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल एवं बंदी गण उपस्थित थे।

पुलवामा के शहीदों को दी श्रद्धांजलि:मालाखेड़ी में निकाला मशाल जुलूस

- बच्चों-बुजुर्गों ने लगाए 'भारत माता की जय' के नारे

नर्मदापुरम(निप्र)। पुलवामा आतंकी हमले की 7वीं बरसी पर शनिवार शाम 'जय हो समिति' ने वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। मालाखेड़ी क्षेत्र में शहीदों की याद में मशाल जुलूस निकाला गया। शाम 6 बजे आजाद चौक से शुरू हुआ यह पैदल मार्च विश्वकर्मा मंदिर और छोटे चौराहे से होते हुए वापस आजाद चौक पहुंचा, जहां शहीदों को नमन किया गया। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। सभी के हाथों में कैंडल, मशाल और तिरंगा था। यात्रा के दौरान 'वीर जवान अमर रहें', 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' के जयघोष से पूरा इलाका गूंज उठा। कार्यक्रम में विशेष रूप से देशभक्ति गीतों का आयोजन भी किया गया। समिति के अध्यक्ष अर्पित मालवीय ने कहा, 'हमारे वीर जवानों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे देश की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देकर अमर हो गए हैं।' समिति ने संकल्प लिया कि शहीदों की स्मृति में विभिन्न समाजसेवी कार्य किए जाएंगे।

सड़क हादसे में घायल महिला की 14वें दिन मौत

हरदा (निप्र)। हादसे में घायल एक महिला की भोपाल में चल रहे इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक शहर के विष्णुपुरी कॉलोनी गौरीशंकर विश्वकर्मा और उनकी पत्नी गायत्री के साथ परचरी कथा में गए थे। लौटते समय किल्लौद थाना क्षेत्र में 1 फरवरी को सड़क हादसे में गौरीशंकर की मौत हो गई।

शिवालयों में उमड़ा शिवभक्तों का भारी जनसमूह

प्रशासन ने प्रत्येक स्थान पर की व्यापक व्यवस्थाएं कलेक्टर ने स्वयं पचमढ़ी पहुंचकर रखी महादेव मेले की समस्त गतिविधियों पर निगरानी पुलिस, आरटीओ, खाद्य विभाग की टीम भी रही सक्रिय, पचमढ़ी मेले के दौरान निरंतर हुई वाहनों की चेकिंग होमगार्ड और एसडीईआरएफ की टीम ने संभाला आपदा प्रबंधन का मोर्चा

शिवालयों में उमड़ा शिवभक्तों का भारी जनसमूह

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की आस्था का अद्भुत जनसैलाब उमड़ा। 4000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित चौरागढ़ मंदिर से लेकर प्राचीन पाषाण प्रतिमा सोहागपुर, नर्मदापुरम बाबा काले महादेव, इटारसी के तिलक सिंदूर और शरद देव मंदिर, सिवनिमालवा के गणेश-शिव मंदिर एवं आंवली घाट पर स्थापित शिव प्रतिमा तक हर ओर भगवान भोलेनाथ के जयकारों की गूंज सुनाई दी। श्रद्धालुओं की असीम श्रद्धा से पूरा जिला शिवमय नजर आया। जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रमुख स्थलों पर व्यापक भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। प्रशासनिक सतर्कता और समन्वय के चलते समस्त स्थानों पर पर्व पूरी श्रद्धा, भक्ति और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। महाशिवरात्रि पर आयोजित मेलों एवं धार्मिक आयोजनों की अधिकारियों द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की गई। पचमढ़ी में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक स्वयं उपस्थित रहकर महादेव मेले की व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। वहीं सोहागपुर में आयोजित मेले का अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन पांडे द्वारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इटारसी में तिलक सिंदूर मेले के दौरान अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन पांडे एवं एसडीएम श्री नितेश शर्मा मंदिर परिसर में मौजूद रहकर सभी इंतजामों की सतत निगरानी करते रहे। स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं स्वच्छता की दृष्टि से भी प्रशासन द्वारा हर एक पॉइंट पर अलग-अलग टीमों को तैनात किया गया था जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं एवं जानकारी का आदान-प्रदान निरंतर रूप से किया गया। आपदा प्रबंधन के लिए होमगार्ड एवं एसडीआरएफ की टीम द्वारा निरंतर रूप से श्रद्धालुओं की सहायता की गई। ऊंचे ऊंचे स्थलों तथा दुर्गम मार्गो से भी श्रद्धालुओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया गया। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा भी प्राथमिक उपचार की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर मेडिकल पॉइंट तथा एंबुलेंस की व्यवस्था की गई जिससे श्रद्धालुओं को हर संभव सहायता प्रदान की जा सके।

पचमढ़ी महादेव मेला

पचमढी में महाशिवरात्री के पावन पर्व पर भक्तों के भारी जनसमूह से पूरा क्षेत्र किसी शिवधाम से कम नहीं लग रहा है। दुर्गम मार्ग होने के बाबजूद पूरी श्रद्धा एवं अस्था के साथ महादेव एवं चौरागढ जा रहे हैं। शिवरात्रि पर्व पर लगभग 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। पचमढी को भगवान शिव की तपस्या स्थली माना जाता है। मान्यता है कि महारष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के लोग भगवान शिव को अपना बहनोई तथा देवी पार्वती को अपनी बहन मानते है, इसलिये विशेष रूप से विदर्भ के श्रद्धालू महाशिवरात्रि पर भगवान शिव को त्रिशूल भेंट देने आते है। 4000 फिट से भी अधिक की ऊंचाई पर स्थित इस प्राचीन आस्था केंद्र पर भगवान चौड़ेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ की प्राचीन शिवलिंग सहित मनमोहक प्रतिमा और चौरा बाबा की प्रतिमा भी स्थापित है। भक्तजन बडे बडे एवं सैकड़ों किलो भारी त्रिशूल लेकर अपने आरध्य को अर्पित करने के लिये दुर्गम रास्तों से पहुँचते हैं तथा कई श्रद्धालू अपनी मनोकामना पूरी होने पर ही मंदिर में त्रिशूल भेंट करते हैं। एक अन्य किवदंती के अनुसार चौरा महाराज की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन देकर यह वर दिया की यह दर्शन करने से सभी को मनोकना पूरी होगी। मनोकाना पूरी होने के बाद भक्त मन्नत रूपी त्रिशूल यहां चढ़ते हैं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए गए त्रिशूलों का अंबार लगा हुआ है जो इनकी अपने आराध्य के प्रति अटूट आस्था एवं भक्ति को परिलक्षित करता। इसी प्रकार पचमढ़ी स्थित जटाशंकर महादेव एवं गुप्त महादेव भी अपने पौराणिक महत्व को समेटे हुए हैं। चौरागढ़ महादेव के समांतर ही इन मंदिरों में भी भक्तों की लंबी कतारें इस दौरान देखी गई। उक्त दोनों मंदिरों में भी भक्तों ने दर्शन कर मनोकामना पूर्ति एवं कल्याण के लिए प्रार्थनाएं की।

बाबा महाकाल की तर्ज पर होती है पूजन

जिला मुख्यालय पर मां नर्मदा के तट पर महाकाल मंदिर की तर्ज पर बना काले महादेव मंदिर स्थित है, जहां बाबा महाकाल की तर्ज पर पूजन होती है। काले महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का उज्जैन स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा महाकाल ज्योतिर्लिंग की तर्ज पर ही श्रृंगार एवं पूजन की जाती है। मान्यता है कि मंदिर में विराजित शिवलिंग पर लेपित हल्दी को लगा लेने से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इस मान्यता के चलते दूर-दराज से भक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आते हैं।स्थानीय लोगो के अनुसार श्री काले महादेव के नाम से विख्यात यह मंदिर 200 वर्ष पुराना है। नर्मदा तट के किनारे स्थित शिव मंदिरों में यह एक प्रमुख और चमत्कारी शिव मंदिर है। महाशिवरात्रि के पावन पर्व के दौरान बाबा काले महादेव विशेष चल समारोह से नगर भ्रमण करते हुए मां नर्मदा के तट पर पहुंचते है। प्रशासन द्वारा पूरे जल समारोह के दौरान शोभायात्रा निरंतर मॉनिटरिंग की गई। शोभायात्रा के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, एसडीओपी श्री जितेंद्र पाठक एवं टी श्रीमती कंचन ठाकुर शोभा यात्रा के समय उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया की पूरी शोभायात्रा तथा संपूर्ण पर्व के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम शांति एवं सम रूप से संपन्न हो सके।

चारुवा मेले से लौट रहे दो दोस्तों की मौत:बाइक पुलिया से टकराई

हरदा (निप्र)। जिले के छीपाबड़ थाना क्षेत्र में बीती रात एक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। ये तीनों दोस्त महाशिवरात्रि के अवसर पर ग्राम चारुवा स्थित गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक एक पुलिया से टकरा गई। छीपाबड़ थाना टीआई संतोष सिंह चौहान ने बताया कि नवोदय विद्यालय के सामने बनी पुलिया के पास उनकी बाइक एक अज्ञात ऑटो से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक पुलिया से जा भिड़ी। इस हादसे में बाइक सवार पवन पिता राधेश्याम कनारे की मौके पर ही मौत हो गई। टिमरनी के सरदार कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय पवन पिता रविशंकर भिलाला को गंभीर हालत में खिरकिया से जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। तीसरे युवक नितेश पिता विजय इंग्ले का खिरकिया अस्पताल में उपचार जारी है। टीआई चौहान ने बताया कि घायल नितेश इंग्ले की रिपोर्ट पर अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। सोमवार सुबह जिला अस्पताल में मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, मृतक पवन भिलाला की मौत सिर में गंभीर चोट लगने के कारण हुई।

महाशिवरात्रि से पहले 141 लीटर अवैध शराब जब्त: आरोपी गिरफ्तार

शिवरात्रि सोनाघाटी मेले में बेचने की थी तैयारी

बैतूल (निप्र)। बैतूल पुलिस ने महाशिवरात्रि पर्व से पहले बड़ी कार्रवाई करते हुए 141 लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की है। इसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 21 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, पुलिस को देर रात सूचना मिली थी कि सोना घाटी क्षेत्र के एक मकान में भारी मात्रा में अवैध शराब जमा की गई है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। आरोपी के घर से 141.600 लीटर अवैध शराब बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह शराब महाशिवरात्रि के अवसर पर सोना घाटी मेले में बेचने के लिए लाया था। उसने यह शराब सुक्तवा क्षेत्र से एक कार के जरिए लाकर अपने घर में संग्रहित की थी। पुलिस ने अवैध शराब के साथ-साथ उसके परिवहन में इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस मामले में अन्य संभावित आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे महाशिवरात्रि पर्व पर शांति बनाए रखें और किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और परिवहन में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वन स्टॉप सेंटर , विदिशा ने नवविवाहित दंपत्ति का रिश्ता टूटने से बचाया

विदिशा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी), विदिशा ने मानवीय संवेदनशीलता और प्रभावी परामर्श के माध्यम से एक नवविवाहित दंपत्ति के रिश्ते को टूटने से बचाकर सराहनीय कार्य किया है। महज 8 माह पूर्व प्रेम विवाह करने वाले इस दंपत्ति के बीच आपसी विवाद इतना बढ़ गया था कि संबंध समाप्त होने की स्थिति निर्मित हो गई थी। ऐसे में महिला द्वारा वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर काउंसलिंग की सहायता मांगी गई। सेंटर में विशेषज्ञों द्वारा दोनों पक्षों की नियमित काउंसलिंग कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया, गलतफहमियों को दूर किया गया तथा आपसी संवाद स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया। सकारात्मक पहल के तहत सेंटर में ही पति द्वारा पत्नी को फूल, मिठाई एवं उपहार भेंट कर रिश्ते में नई मिठास घोलने का प्रयास किया गया। इस भावनात्मक पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया और दंपत्ति ने आपसी सहमति से साथ रहने एवं अपने संबंध को मजबूत बनाने का निर्णय लिया।

वन स्टॉप सेंटर में निम्न सेवाएं उपलब्ध हैं

अस्थायी आश्रय सहायता मनोवैज्ञानिक परामर्श, विधिक सहायता, चिकित्सकीय सहायता,पुलिस सहायता अन्य आकस्मिक सहयोग उन्होंने बताया कि

वर्ष 2018 से अब तक 7000 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को सहायता प्रदान की जा चुकी है। साथ ही प्रारंभ से अब तक 6458 महिलाओं का परिवार में पुनर्वास कराया गया है। वर्तमान वर्ष में 1150 से अधिक प्रकरणों में विभिन्न विभागों के समन्वय से परामर्श, कानूनी सहायता एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया गया है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत मिल रही समग्र सहायता

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर वर्ष 2018 से जिला स्तर पर निरंतर कार्यरत है। इस केंद्र के माध्यम से घरेलू हिंसा एवं अन्य प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे निःशुल्क एवं समग्र सहायता प्रदान की जाती है।

24 घंटे उपलब्ध है सहायता

पीड़ित महिलाएं एवं बालिकाएं के लिए 24 घंटे सहायता हेतु वन स्टॉप सेंटर, विदिशा से दूरभाष क्रमांक 07592-233321 एवं महिला हेल्पलाइन 181 पर संपर्क कर सकती हैं। वर्तमान में यह केंद्र नर्सिंग कॉलेज के सामने, यातायात थाने के पास संचालित है। वन स्टॉप सेंटर (सखी), विदिशा की यह पहल न केवल पीड़ित महिलाओं को त्वरित संरक्षण एवं सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि परिवारों को टूटने से बचाने एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई बनी संजीवनी, समय पर उपचार से बची गाय की जान

विदिशा (निप्र)। शासन द्वारा संचालित 1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों के लिए जीवनदायिनी सेवा साबित हो रही है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण कुरवाई विकासखंड के ग्राम झुनावटी में सामने आया, जहां समय पर मिली चिकित्सा सहायता से एक गंभीर रूप से बीमार गाय की जान बचाई जा सकी। ग्राम झुनावटी निवासी श्रीमती कल्लो बाई अहिरवार के लिए एक दिन बेहद चिंताजनक बन गया, जब उनकी गाय अचानक गंभीर रूप से बीमार हो गई। स्थिति इतनी गंभीर थी कि पशु के जीवन पर खतरा मंडरा रहा था। ऐसे संकट की घड़ी में उन्हें शासन की 1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई सेवा के बारे में जानकारी मिली। श्रीमती कल्लो बाई ने तुरंत टोल-फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर अपने पशु की स्थिति की जानकारी दी। कॉल सेंटर में उनके पशु का विवरण दर्ज किया गया और लक्षणों के आधार पर तुरंत केस दर्ज कर चलित पशु चिकित्सा इकाई को सूचित किया गया। कुछ ही देर में इकाई प्रभारी ने स्वयं संपर्क कर आश्वस्त किया कि शीघ्र ही उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। विश्वास और उम्मीद के बीच महज 30 मिनट के भीतर पशु चिकित्सा दल उनके घर पहुंच गया। जांच के दौरान चिकित्सकों ने पाया कि गाय डिस्टोकिया (प्रसव संबंधी जटिलता) से पीड़ित है। टीम ने तत्परता और दक्षता से उपचार करते हुए मृत बछड़े को बाहर निकाला और गाय की जान बचा ली। उपचार के बाद निर्धारित शुल्क 150 रुपये ऑनलाइन माध्यम से जमा किया गया तथा संबंधित ओटीपी के माध्यम से उपचार प्रक्रिया पूर्ण की गई। श्रीमती कल्लो बाई ने इस सेवा के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि यदि समय पर उपचार नहीं मिलता तो उनकी गाय को बचा पाना संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल ने न केवल उनके पशु को नया जीवन दिया, बल्कि ग्रामीण पशुपालकों में यह विश्वास भी मजबूत किया है कि अब पशु चिकित्सा सेवाएं उनके घर तक उपलब्ध हैं।

बेगमगंज क्षेत्र के किसान ने उन्नत तकनीक और अपनी मेहनत से बदली तस्वीर

परम्परागत फसलों की जगह टमाटर की खेती करने से हुआ अधिक मुनाफा

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज विकासखण्ड के ग्राम भुरेरू के किसान श्री ओमप्रकाश कुशवाह ने पारम्परिक खेती से हटकर उद्यानिकी फसल को अपनाया और कम समय में अधिक मुनाफा कमाकर क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने हैं। प्रगतिशील किसान श्री ओमप्रकाश कुशवाह ने उद्यानिकी विभाग की योजना का लाभ लेकर डेढ़ एकड़ जमीन में टमाटर की खेती की! जिसमें उन्नत किस्म के बीज, मलि्ंचग और ड्रिप सिंचाई तकनीक का उपयोग किया। टमाटर की खेती से ओमप्रकाश कुशवाह को लगभग चार से पांच लाख रू का लाभ हुआ। किसान श्री ओमप्रकाश कुशवाह ने बताया कि पहले वह गेहूँ, सोयाबीन जैसी पारम्परिक फसलों की खेती करते थे, जिसमें दस से पन्द्रह क्विंटल प्रति एकड़ का ही उत्पादन होता था और बहुत लाभ भी बहुत होता था। वह खेती में कुछ अलग करना चाहते थे, जिसमें कम लागत में अधिक मुनाफा हो। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के उद्यान विस्तार अधिकारी श्री अमाशंकर कुशवाह से सम्पर्क किया और विभाग की योजनाओं तथा उद्यानिकी फसलों की जानकारी ली।

इसके बाद उन्होंने टमाटर की खेती करने का निर्णय लिया तथा डेढ़ एकड़ जमीन पर टमाटर की फसल उन्नत तकनीक मल्चिंग और ड्रिप द्वारा लगाई। ओमप्रकाश ने बताया कि उन्होंने टमाटर की खेती में उन्नत बीज और तकनीक का उपयोग किया तथा अच्छी तरह से देखभाल की। जिसके कारण उनकी फसल बहुत अच्छी हुई और उन्हें लगभग 350 क्विंटल टमाटर का उत्पादन मिला। जिसे मंडी में बेचने से उन्हें लगभग 06 लाख रू की आय हुई। इसमें लागत के लगभग डेढ़ लाख रू निकालने के बाद साढ़े चार लाख रू का लाभ हुआ। वह परिवार के साथ काफी समय से खेती कर रहे हैं लेकिन इतना लाभ कभी नहीं हुआ।

इसके लिए वह प्रदेश सरकार के मुखिया डॉ मोहन यादव तथा उद्यानिकी विभाग को धन्यवाद देते हुए कहते हैं, सरकार द्वारा किसानों के हित में, उनकी आय बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिनका लाभ लेकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब वह टमाटर के साथ अन्य सब्जियों की खेती भी कर रहे हैं। ओमप्रकाश ने किसानों के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया है कि खेती में मेहनत और उन्नत तकनीक का सही उपयोग करके अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है।

कुंड बकाजन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

भीमपुर (निप्र)। कुंड बकाजन स्थित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यहां 1973 में जलाशय निर्माण के दौरान ठेकेदार उत्तम सिंह ठाकुर ने शिवलिंग की स्थापना की थी। तभी से हर महाशिवरात्रि पर उनके परिवार के सदस्य यहां पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना, अभिषेक एवं प्रसादी वितरण करते आ रहे हैं। गांव के सरपंच पूरन सिंह डिकारे ने बताया कि शिवलिंग स्थापना के बाद से ग्रामीण ही पूजा-अर्चना करते हैं।

आज से बोहानी स्टेशन पर रुकेगी आरकेएमपी आधारताल इंटरसिटी

दोनों दिशाओं में ठहराव शुरू, अपडाउनर्स को होगा लाभ

भोपाल (नप्र)। यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर रेल प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। आधारताल-रानी कमलापति इंटरसिटी एक्सप्रेस को बोहानी स्टेशन पर दोनों दिशाओं में 1 मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया गया है।

यह व्यवस्था आधारताल से 17 फरवरी 2026 और रानी कमलापति से 18 फरवरी 2026 से प्रभावी होगी और अगले आदेश तक जारी रहेगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस निर्णय से बोहानी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। अब उन्हें प्रमुख स्टेशनों तक जाने के लिए अतिरिक्त दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

यह रहेगा समय

गाड़ी संख्या 22188 आधारताल-रानी कमलापति इंटरसिटी एक्सप्रेस बोहानी स्टेशन पर शाम 8:11 बजे पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 22187 रानी कमलापति-आधारताल इंटरसिटी एक्सप्रेस का आगमन समय सुबह 08:25 बजे निर्धारित किया गया है। हालांकि ठहराव मात्र 1 मिनट का होगा, लेकिन इससे दैनिक अप-डाउन करने वाले यात्रियों, विद्यार्थियों और छोटे व्यापारियों को बड़ी

स्थानीय यात्रियों को सीधा फायदा

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि अतिरिक्त ठहराव से संबंधित क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी और स्थानीय स्तर पर रेल सेवाओं का दायरा बढ़ेगा। बोहानी क्षेत्र के लोगों को अब जबलपुर और भोपाल की ओर आने-जाने में समय और खर्च दोनों की बचत होगी। रेल यात्रियों से अपील की गई है कि वे ट्रेनों की विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित रेलवे स्टेशन, रेल मदद हेल्पलाइन 139 या अधिकृत ऑनलाइन वेबसाइट का उपयोग करें।

बोलेरो ने पिकअप को मारी टक्कर, एक की मौत

बदरवास फोरलेन पर पेशाब करने उतरा था ड्राइवर, तभी पीछे से आया वाहन

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी के बदरवास थाना क्षेत्र में फोरलेन हाइवे पर मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में 27 वर्षीय ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे घुरवार रोड पुल के ऊपर हुआ, जब एक तेज रफ्तार बोलेरो ने पीछे से पिकअप वाहन को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान बलराम सिंह पुत्र हीरासिंह राजपूत (27) निवासी ग्राम बोराखेड़ी, थाना वायडीनगर, जिला मंदसौर के रूप में हुई है। वह अपने साथी कैलाश पुत्र मदनलाल अहिरवार (32) के साथ बोलेरो पिकअप में मंदसौर से मछली भरकर गोरखपुर जा रहे थे। वाहन बलराम सिंह चला रहे थे। जानकारी के अनुसार, 17 फरवरी की सुबह करीब 6 बजे बदरवास फोरलेन पर घुरवार रोड पुल के ऊपर बलराम सिंह ने वाहन रोका। वह वाहन से उतरकर पेशाब करने लगे, जबकि कैलाश वाहन के पास ही खड़े थे। इसी दौरान गुना की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो के चालक ने कथित तौर पर लापरवाही से वाहन चलाते हुए पीछे से पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे खड़े बलराम सिंह वाहन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर हाईवे एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदरवास के पीएम रूम में रखवाया गया। पुलिस ने बोलेरो चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आलमपुर में 17 वर्षीय दलित किशोरी से रेप

रातभर कोठी में बंधक बनाकर किया गलत काम

आलमपुर (नप्र)। भिंड जिले के आलमपुर थाना क्षेत्र में एक 17 वर्षीय दलित किशोरी के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती को जबरन खेत में बनी अपनी कोठी पर ले जाकर दुष्कर्म किया और उसे रातभर वहां कैद रखा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया है।

फोन कर बुलाया, फिर कोठी पर ले गया– पीड़िता की ओर से दर्ज शिकायत के अनुसार, आरोपी विष्णु महंत ने रविवार रात करीब 8 बजे उसे फोन कर छत्रीबाग बुलाया था। वहां पहुंचने पर आरोपी उसे डरा-धमकाकर जबरदस्ती अपने खेत की कोठी पर ले गया। आरोप है कि वहां आरोपी ने उसके साथ गलत काम किया और उसे जान से मारने की धमकी देकर रातभर वहीं बंद रखा।

पिता ने ढूंढते हुए पहुंचकर छुड़ाया– सोमवार सुबह जब पीड़िता के पिता उसे तलाशते हुए खेत की तरफ पहुंचे, तो युवती ने पिता की आहट पाकर चिल्लाना शुरू कर दिया। बेटी की आवाज सुनकर पिता वहां पहुंचे और उसे सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद परिजन पीड़िता को लेकर आलमपुर थाने पहुंचे और घटना की जानकारी दी।

महिला अधिकारी के इंतजार में दर्ज होने में हुई देरी– हैरानी की बात यह है कि लहार तहसील में कोई महिला पुलिस अधिकारी तैनात न होने के कारण मामला दर्ज करने में समय लगा। नियमानुसार महिला संबंधी अपराधों में महिला अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होती है, इसलिए भिंड से महिला पुलिस अधिकारी के पहुंचने के बाद ही मंगलवार को एफआईआर दर्ज की गई। थाना प्रभारी रवि उपाध्याय ने बताया कि आरोपी विष्णु महंत के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1), 351(3), पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

एमपी नगर के एक फ्लैट से 61 लाख कैश जब्त

भोपाल (नप्र)। भोपाल की एमपी नगर पुलिस मारपीट के आरोपियों की तलाश में सर्चिंग करती हुई मीरा परिसर जोन 2 पहुंची। जहां एक फ्लैट में तीन युवक रकम गिनते हुए दिखाई दिए। वहां से 61 लाख रुपए कैश जब्त किए गए हैं। पूछताछ में तीनों युवक रकम के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं दे सके। लिहाजा पुलिस को रकम हवाला की होने का शक हुआ। देर रात पुलिस तीनों को थाने लेकर पहुंची, जहां उनसे पूछता जारी है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भी मामले की सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है आगे की कार्रवाई आईटी की टीम करेगी। बता दें कि जोन-2 में स्थित द लेजी कैफे में सोमवार की रात छात्रों और कर्मचारियों के बीच मारपीट की घटना सामने आई थी।

महंगाई के खिलाफ महिला कांग्रेस का भोपाल में प्रदर्शन

सिलेंडर-चूल्हा लेकर पहुंचीं महिलाएं, थाली बजाकर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

भोपाल (नप्र)। विधानसभा सत्र के दौरान महिला कांग्रेस ने मंगलवार को भोपाल में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेठिया के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर बैठकर थाली बजाई और रोटियां बेलीं।

कार्यकर्ताओं ने खाली कड़ाही, चकला, बेलन और गैस सिलेंडर लेकर यह संदेश दिया कि महंगाई के कारण महिलाएं परेशान हैं। हालत यह है कि रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। दालें, अनाज, तेल सहित अन्य खाद्य सामग्री महंगी हो गई है। गरीब लोग गैस सिलेंडर नहीं भरवा पा रहे हैं।

प्रदर्शन को नाम दिया रसोई संसद– महिला कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन को रसोई सांसद नाम दिया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने कहा कल यानी 18 फरवरी को आने वाले बजट में यदि महंगाई से राहत नहीं मिली, तो हम 19 फरवरी को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के बंगले का घेराव करेंगे। कार्यकर्ताओं ने खाली कड़ाही, चकला, बेलन और गैस सिलेंडर लेकर यह संदेश दिया कि महंगाई के कारण महिलाएं परेशान हैं।

गरीबों को जंगल से लाना पड़ रहीं लकड़ियां– रीना बोरासी ने कहा कि मध्य प्रदेश में मंत्रालय के सामने उज्ज्वला योजना की ऐसी स्थिति है कि आदिवासियों के छोटे-छोटे बच्चों को खाना पकाने के लिए जंगल से लड़कियां सिर पर ढोकर लानी पड़ रही हैं, तब उनके घर का चूल्हा जलता है। मध्य प्रदेश में 16 लाख हितग्राही ऐसे हैं, जो योजना में अपना एक सिलेंडर भी नहीं भरवा पाए।

400 रुपए में दें गैस सिलेंडर

महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता रूपाली शर्मा ने कहा हम महिलाएं महंगाई के कारण इतने परेशान हैं कि घर का चूल्हा नहीं जला पा रहे। हमारी सरकार से एक ही मांग है कि आप गैस का सिलेंडर 400 का कर दो। पहले यही बीजेपी वाले कांग्रेस को खूब कोसते थे, लेकिन कांग्रेस के जमाने में 400 में सिलेंडर मिलता था। आप तो वही 400 का सिलेंडर कर दो। यदि ऐसा नहीं करते हैं, तो हम वित्त मंत्री के बंगले का घेराव करेंगे।

'ब्राह्मणों से करता था नफरत', आरोपी ने सीने पर पैर रखकर काट दी पुजारी की गर्दन, हत्या से सीधी में तनाव

सीधी (नप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में पुजारी पंडित इंद्रभान द्विवेदी की हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुजारी की हत्या के बाद सीधी जिले में तनाव की स्थिति है। पुलिस ने मोर्चा संभाल किया है। कुसमी इलाके में मंदिर से पूजा कर लौट रहे पुजारी की आरोपी ने तलिबानियों की तरह गला काटकर हत्या कर दी थी।

घटना के बाद से ही इलाके में तनाव फैल गया था। आक्रोशित भीड़ की मांग पर पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की मुर्गा-मीट शॉप के साथ साथ घर को सील कर दिया गया है। फिलहाल, आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आरोपी का नाम कामता प्रसाद उर्फ लाला केवट है।

ब्राह्मणों के करता था नफरत– स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी लाला केवट का आपराधिक रिकॉर्ड है। वह पहले भी कई अपराधों में शामिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ब्राह्मणों से नफरत करता था। वह पहले भी कई बार ब्राह्मणों से मारपीट कर चुका है। वह पूजा पाठ करने वाले लोगों को परेशान करता था। लोगों के अनुसार, पंडित की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी समाज में इंद्रभान द्विवेदी की बड़ी इज्जत थी।

पूजा कर घर को लौट रहे थे पुजारी तभी हत्या

वारदात रविवार की है। पुजारी सुबह करीब 9 बजे हनुमान मंदिर से पूजा-अर्चना कर अपने घर लौट रहे थे। आरोपी मोटरसाइकिल से आया और पुजारी की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायल होकर जमीन पर पड़े पुजारी के सीने पर आरोपी ने कई हमले किए। जिससे पुजारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

30 साल से हनुमान मंदिर के पुजारी– पुजारी इन्द्रभान द्विवेदी की हत्या से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह करीब 30 साल से तहसील परिसर में बने हनुमान मंदिर में पूजा कर रहे थे। घटना के बाद से ही इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

जबलपुर में नगर पालिका का एकाउंटेंट रिश्वत लेते गिरफ्तार

ग्रेच्युटी फंड जारी करवाने मांगे थे 25 हजार, ईओडब्ल्यू ने पकड़ा; 20 हजार पहले ले चुका था

जबलपुर (नप्र)। मंगलवार को जबलपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने नगर निगम के एक टिकट कलेक्टर को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। वहीं आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की टीम ने नगर पालिका परासिया के अकाउंटेंट शैलेन्द्र शर्मा को 5,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा।

आरोप है कि वह शिकायतकर्ता से ग्रेच्युटी भुगतान कराने के बदले रिश्वत मांग रहा था। परेशान होकर पीड़ित ने ईओडब्ल्यू एसपी को लिखित शिकायत दी, जिसके बाद जांच कर मंगलवार को ट्रैप कार्रवाई की गई।

अगस्त 2025 में हुए थे रिटायर

जानकारी के अनुसार परासिया निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी लाल जी (पिता सुन्दर लाल पिंडपारोची) ने 13 फरवरी 2026 को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर में लिखित शिकायत देकर बताया कि वे अगस्त 2025 में सफाईकर्मी पद से रिटायर हुए थे, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें न तो ग्रेच्युटी राशि मिली और न ही पेंशन स्वीकृत हुई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वे नगर पालिका डोंगर परासिया के अकाउंटेंट शैलेन्द्र शर्मा से कई बार मिले और अपनी समस्या रखी, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

डिप्टी रेंजर समेत दो को गोली मारी

रायसेन (नप्र)। रायसेन में पूर्व कर्मचारी ने नर्सरी प्रभारी डिप्टी रेंजर सहित दो लोगों को गोली मार दी। डिप्टी रेंजर राकेश शर्मा को पीठ में गोली लगी। महिला कर्मचारी सुमन बाई की पीठ में लगी गोली शरीर के आर-पार हो गई। वहीं, एक अन्य कर्मचारी डालचंद भागते समय गिर गया, गोली उसके ऊपर से निकल गई।

फायरिंग करने के बाद आरोपी पूरन उर्फ गुड्डा लोधी मौके से भाग निकला। कुछ देर बाद उसका शव एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद पूरन के आत्महत्या करने की आशंका जताई है। पूरन करीब 5 साल पहले नर्सरी में मजदूरी करता था। ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर उसे हटा दिया गया था।

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड, हाईकोर्ट ने सुरक्षित फैसला सुनाया

डॉ. सोनी सहित 4 की जमानत याचिका खारिज, 30 बच्चों की हुई थी मौत

जबलपुर (नप्र)। छिंदवाड़ा में जहरीला कफ सिरप पीने से 30 बच्चों की मौत के चर्चित मामले में हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी डॉक्टर प्रवीण सोनी सहित चार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत के फैसले के बाद सभी आरोपियों को अब जेल में ही रहना होगा। बता दें कि कफ सिरप से 30 बच्चों की मौत हुई थी।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने बच्चों की मौत को बेहद गंभीर मानते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी डॉक्टर ने सरकारी निर्देशों का पालन नहीं किया और 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रतिबंधित फिक्स डोज कम्पाउंड दवा दी, जिसके चलते बच्चों की मौत हुई।

वरिष्ठ चिकत्सक की सलाह को भी नजरअंदाज किया– सुनवाई में यह भी सामने आया कि डॉ. प्रवीण सोनी ने नागपुर के एक वरिष्ठ डॉक्टर की सलाह को भी नजरअंदाज कर बच्चों को कफ सिरप दिया था, जो मौत का कारण बना। छिंदवाड़ा पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को 5 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, जहां से निचली अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था।

पत्नी के प्रेमी की सीमेंट की ईंट से हत्या

लाश बोरी में भरकर फेंकी, आलीराजपुर में नाबालिग समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

आलीराजपुर (नप्र)। आलीराजपुर जिले की आम्बुआ पुलिस ने 17 फरवरी को हत्या के 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक नाबालिग लकड़ा भी शामिल है। यह पूरा मामला 15 फरवरी को सामने आया था।

सेमलाया गांव के पास एक कच्चे रास्ते पर खून से सनी एक बोरी पड़ी मिली थी। गांव के चौकीदार ने जब पुलिस को खबर दी, तो मौके पर पहुंची पुलिस ने बोरी खोलकर देखा।

उसमें एक युवक की लाश थी जिसके सिर, गले और शरीर के बाकी हिस्सों पर चोट के गहरे निशान थे। बाद में पता चला कि वह युवक मोटा उमर का रहने वाला 30 साल का दुलेसिंह था।

पत्नी के साथ चक्कर के शक में मारी जान

जब पुलिस ने जांच की, तो पता चला कि दुलेसिंह का मुख्य आरोपी जांगु की पत्नी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। जांगु को इस बात की भनक लग गई थी और वह बदला लेने की फिराक में था।

14 फरवरी की रात को जांगु ने अपने साथियों के साथ मिलकर दुलेसिंह को घेर लिया और सीमेंट की ईंट मारकर हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए उन्होंने शव को बोरी में भरा और सुनसान जगह फेंक दिया।